तापमान

अधिकतम 37.4 डिग्री

न्यूनतम 27.8 डिग्री

हरिभूमि

रायपुर भूमि

रायपुर, शनिवार 27 जून 2026

14 विधायक कालोनी बनाने जमीन खाली कराने के...

14 सब्जी सहित अन्य फसल उत्पादन में ग्रामीणों..

नहीं पटा ढाई लाख का बिल, मेडिकल कालेज हॉस्टल की बिजली कटी, दो दिन से अंधेरे में छात्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के एमबीबीएस छात्रों के अस्थायी हास्टल का ढाई लाख रुपए का बिजली बिल नहीं पटाने की वजह से बिजली काट दी गई। दो दिन से लाइट गुल होने की वजह से यहां रहने वाले चिकित्सा छात्रों को उमस भरी गर्मी के बीच समय गुजारना पड़ रहा है। बिजली नहीं होने की वजह से पानी की आपूर्ति प्रभावित होने के कारण उनकी परेशानी दोगुनी हो गई है। पिछले साल दिसंबर में हास्टल को लेकर प्रदर्शन के दौरान चिकित्सा शिक्षा विभाग से मिली सहमति के बाद कालेज प्रबंधन ने शांति नगर में एक भवन को किराए पर लेकर उसे हास्टल बनाया है। यहां एमबीबीएस के प्रथम से लेकर अंतिम वर्ष तक के करीब 100 छात्रों के रहने की व्यवस्था है। गुरुवार को हास्टल की बिजली गुल हो गई। शुरुआत में वहां रहने वाले छात्र इसे नियमित समस्या मानते रहे, मगर लंबे समय तक लाइट वापस नहीं आने पर विद्यार्थियों ने ⏭शेष पेज 13 पर

शांति नगर इलाके में किराए पर लिया गया है भवन

एमबीबीएस के करीब सौ छात्रों का है ठिकाना

हास्टल बन ही नहीं पा रहा

मेडिकल कालेज परिसर में चिकित्सा छात्रों (यूजी) के लिए हास्टल बनाया जा रहा है। करीब तीन साल पहले शुरू हुआ कालेज काम अब तक पूरा नहीं हो पाया है। हास्टल नहीं होने की वजह से पूर्व में यहां पढ़ाई करने वाले एमबीबीएस छात्रों को किराए के मकान में रहना पड़ता था। छात्रों को इसके लिए जेब से पैसे देने पड़ते थे। इसे लेकर प्रदर्शन भी हुआ था, जिसके बाद कालेज प्रबंधन शासन के निर्देश पर भवन की तलाश तेज की और दिसंबर में 120 सीटर सुविधायुक्त भवन को ओके किया गया था।

अवकाश के कारण समस्या

अवकाश होने की वजह से भवन के ऑनर बिजली का बिल नहीं पटा पाए थे। इसकी वजह से लाइन काट दी गई थी, समस्या का समाधान कर लिया गया है।

- डा. प्रशांत जायसवाल
वार्डन, अनुबंधित छात्रावास

रेलवे में जुर्माने की राशि बढ़ी, लेकिन नियम तोड़ने वालों पर अब भी नहीं हो रही कोई कार्रवाई

रेल नियमों की धज्जियां, महिला कोच में पुरुषों का कब्जा, गुटखे की मनाही, पर खुलकर बिक रहा

ललित राठौड़ ⏭ रायपुर

अलग खबर

भारतीय रेलवे ने बीते दिनों नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माने की राशि को बढ़ाने का फैसला लिया था। इसका उद्देश्य नियमों को सख्त बनाना था, ताकि ट्रेन से लेकर प्लेटफार्म तक स्वच्छता और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। नए नियमों में विभिन्न उल्लंघनों पर जुर्माना हजार रुपए तक बढ़ाया गया है, लेकिन राजधानी के रेलवे स्टेशन पर इन नियमों का पालन न करने वालों पर कार्रवाई का सिस्टम पूरी तरह फेल हो चुका है। यही वजह है कि रेलवे के नियम केवल कागजों तक ही सिमट कर रह गए हैं। शुक्रवार को जब हरिभूमि ने रेलवे के नियमों की पड़ताल की, तो ट्रेन से लेकर प्लेटफार्म तक लोग नियमों की सरेआम धज्जियां उड़ाते हुए मिले। नियमानुसार ⏭शेष पेज 13 पर

प्लेटफार्म से लेकर ट्रेन के भीतर तक खाने-पीने व अन्य चीजें अवैध तरीके से बेची जा रही

केस 1

छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस के जनरल डिब्बे में अवैध वेंडिंग करते हुए एक व्यक्ति यात्रियों के बीच गुटखा बेचता हुआ मिला। उस व्यक्ति के पास सभी तरह के गुटखे के पाउच थे। कार्रवाई का कोई डर न होने के कारण वह ट्रेन के कोच में घूम-घूम कर आसानी से गुटखा बेच रहा था।

केस 2

एक महिला अवैध वेंडिंग करते हुए प्लेटफार्म पर ट्रेन के आते ही खिड़कियों से गुटखा बेचती हुई मिली। यह महिला प्लेटफार्म नंबर 3 पर आने वाली सभी ट्रेनों में गुटखा बेचती नजर आई। हैरानी की बात यह है कि प्लेटफार्म पर जीआरपी और आरपीएफ की तैनाती होने के बावजूद वहां बिना किसी डर के गुटखा बेचा जा रहा है।

केस 3

शालीमार एक्सप्रेस में महिलाओं की 36 सीटों में से 90 प्रतिशत पर पुरुष ही बैठे नजर आए। आरक्षित कोच होने के बावजूद महिलाएं और युवतियां वहां खड़ी रहने को मजबूर थीं। यह सिर्फ एक ट्रेन का नहीं, बल्कि रायपुर से गुजरने वाली दर्जनों ट्रेनों का हाल है।

मानसून 'निर्जल' आने के चार दिन बाद भी नहीं बरस रहा

सिस्टम विकसित होने करना पड़ेगा इंतजार

घनघोर बारिश की स्थिति अभी तक नहीं बनी, तगड़ा सिस्टम बन नहीं रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

इस बार विलंब से प्रदेश तक पहुंचने वाला मानसून बिना पानी वाला होता नजर आ रहा है। चार दिन प्रदेश में अपनी उपस्थति दिखाने के बाद भी यह बरस नहीं पा रहा है। राज्य में बारिश तभी होगी जब बंगाल की खाड़ी में तगड़ा सिस्टम बने, जिसकी उम्मीद फिलहाल नहीं दिख रही है। अभी एक चक्रवाती घेरा मौजूद है, इसके विकसित होकर बरसात के लायक बनने में संशय है। बारिश नहीं होने की वजह से प्रदेश में 70 प्रतिशत का सूखा है और सबसे बुरा हाल मोहला-मानपुर का है जहां अब तक केवल 9 मिमी. पानी बरसा है।

मानसून की प्रदेश तक पहुंचने की घोषणा 22 जून को गई है। जानकारों का मानना है कि वर्षा की कम गतिविधि को देखते हुए इसकी तारीख और आगे बढ़ाई जा सकती थी। अपनी मौजूदगी के चार दिन बीतने के बाद भी यह प्रदेश के किसी भी इलाके में भारी बारिश का कारण नहीं बन पाया है। उल्टे इसकी वजह से राज्य में आने वाली नमीयुक्त हवा के कारण लोगों की तकलीफें बढ़ी हुई हैं। ⏭शेष पेज 13 पर

अंधड़ चल रहे बिजली भी गिर रही

जून के अंतिम दिनों बारिश की गतिविधि बढ़ने के बाद अंधड़ और बिजली गिरने जैसी घटनाओं में कमी आ जाती है। आमतौर पर इस तरह की स्थिति मई के महीने में होती है। अभी बरसात वाला सिस्टम नहीं बनने की वजह से अंधड़ चलने और वज्रपात की घटनाएं हो रही हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों का अनुमान है, अभी बारिश की गतिविधि में इजाफा हो सकता है।

सामान्य से काफी ज्यादा तापमान

अभी रायपुर समेत प्रदेश के तमाम शहरों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान औसत को काफी पीछे छोड़ चुका है। रायपुर का पारा 37.4 होकर सामान्य से 4 तथा बिलासपुर का 39 डिग्री होकर सामान्य से 6 डिग्री अधिक हो चुका है। इसी तरह वातावरण में मौजूद नमी की मात्रा 66 फीसदी तक पहुंच चुकी है, जिससे चिपचिपाहट भरी गर्मी असर दिखा रही है।

आशियाना बनाने का सपना दिखाकर बिल्डर पिता-पुत्र ने महिला डॉक्टर से ठग लिए 51 लाख

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मकान निर्माण के नाम पर एक महिला पशु चिकित्सक ने बिल्डर पिता पुत्र के खिलाफ 51 लाख रुपए ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप है कि पूरी रकम लेने के बाद बिल्डर ने केवल मकान का ढांचा खड़ा किया। इसके बाद पिता-पुत्र निर्माण कार्य अधूरा छोड़ कर अपना कार्यालय बंद कर फरार हो गए। आरोपी बिल्डर के खिलाफ तेलीबांधा थाना में ठगी का यह दूसरा प्रकरण है। डॉ. स्नेहलता दास ने मोहित सोलंकी और उसके पिता गुलाब सिंह के खिलाफ धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज तैयार करने और आपराधिक साजिश की शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता ⏭शेष पेज 13 पर

- बिल्डर के खिलाफ पूर्व में भी तेलीबांधा थाने में ठगी की शिकायत दर्ज है
- तीन वर्ष पूर्व मकान निर्माण करने दिया था ठेका

बैंक से 45 लाख रुपए लोन

महिला डॉक्टर के अनुसार, मकान निर्माण की कुल लागत 51 लाख 916 रुपए तय हुई थी। इसके लिए उन्होंने बैंक से 45 लाख रुपए का होम लोन लिया। साथ ही अपनी जीवनभर की बचत और रिश्तेदारों से उधार लेकर कुल 51 लाख 31 हजार 887 रुपए बिल्डर के खाते में बैंक के माध्यम से जमा कर दिए।

बैंक अकाउंट सीज कराने पुलिस पत्र लिखेगी

आरोपी बिल्डर पिता पुत्र एफआईआर दर्ज होने के बाद से फरार हैं। आरोपियों की पतासाजी करने पुलिस उनके घर में कई बार दबिश दे चुकी है, लेकिन दोनों नहीं मिले। आशंका जताई जा रही है कि दोनों पिता पुत्र ने एक दर्जन से ज्यादा लोगों को मकान बनाने का झांसा देकर करोड़ों रुपए की ठगी की है। आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने की स्थिति में पुलिस बिल्डर पिता पुत्र के बैंक अकाउंट सीज कराने की बात कह रही है।

सुमीत बाजार™
बैजनाथ पारा, रायपुर में
आज पेपर कटिंग लाने पर
Dream Weaverz
ब्रांडेड डबलबेड 1 बेडशीट + दोहड़ + 2 पिलो कव्हर

Online MRP. ₹3499
Offer Rate
4 पीस सेट आकर्षक पैकिंग में ₹699 में
प्रति व्यक्ति प्रति कटिंग अधिकतम 2 सेट ऑफर स्टॉक रहने तक...
Only at : बैजनाथ पारा, रायपुर
*condition apply

अग्रसेन प्रा. आई.टी.आई
BHILAI | DHANORA
• ELECTRICIAN 2 Year (10th Pass)
• FITTER 2 Year (10th Pass)
• C.O.P.A. (Computer) 1 Year (10th Pass)
Affiliated By : N.C.V.T & D.G.E.T. New Delhi (Govt. of India)
भारतीय सेना में कार्यरत/ भूतपूर्व सैनिकों के परिवार एवं दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए संपूर्ण फीस में 25 % की छूट
REGISTRATION OPEN
कुरुद रोड कोहका, भिलाई, जिला - दुर्ग (छ.ग.)
89595-93949 • 89595-44444
अग्रसेन एजुकेशन कैम्पस, ग्राम-धनोरा, जिला - दुर्ग (छ.ग.)
89595-93934 • 89595-44444

खबर संक्षेप

सगुनी में मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव

तरपोंगी। प्राथमिक शाला सगुनी में नए शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ पर 'शाला प्रवेश उत्सव' बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल में कदम रखने वाले नए बच्चों का आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान नव-प्रवेशी सभी छात्र-छात्राओं को तिलक लगाकर और मुंह मीठा कराकर विद्यालय में प्रवेश दिया गया। इसके साथ ही बच्चों का उत्साहवर्धन करने के लिए उन्हें पेन, कॉपी, पुस्तक का वितरण किया गया। इस विशेष अवसर पर क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि, स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्य और ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से क्षेत्र के जनपद सदस्य देवेंद्र वर्मा, सरपंच रजत कश्यप, उपसरपंच ज्ञानदास मानिकपुरी, प्रधान पाठक कालिन्द्री ध्रुव, शिक्षक गण माखन लाल यादव, संजय कुमार साहू शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष अंजनी साहू उपाध्यक्ष शेखर वर्मा, पंच गण रामेश्वर साहू, दुर्गेश साहू, लक्ष्मी कन्नौजे, शिक्षा समिति के सदस्य अमर सिंह यादव, संगीता साहू सहित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं और स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे, जिन्होंने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

विधिक साक्षरता शिविर में नशे खिलाफ दी समझाइश

तिल्दा-नेवरा। अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर ग्राम टोहड़ा में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित कर मजदूरों को नशे के दुष्परिणामों और उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। शिविर में नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए नशे से दूर रहकर स्वस्थ और सम्मानजनक जीवन जीने का संदेश दिया गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशन में, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायपुर के मार्गदर्शन तथा तालुका विधिक सेवा समिति तिल्दा के तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में पैरालीगल वॉलंटियर रिखी राम वर्मा ने मजदूरों के कार्यस्थल पर पहुंचकर विभिन्न जनहितकारी योजनाओं की जानकारी दी। शिविर में नालसा डॉन योजना-2025, नालसा जागृति योजना-2025, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए कानूनी सेवाएं योजना-2025, माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम-2007, निःशुल्क विधिक सहायता, नालसा टोल-फ्री नंबर 15100, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा महिला हेल्पलाइन 1091 की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रमिकों से नशे से दूर रहने, कानून का पालन करने और किसी भी कानूनी समस्या की स्थिति में निःशुल्क विधिक सहायता का लाभ उठाने की अपील की गई। शिविर का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक कानूनी जागरूकता पहुंचाना और नशामुक्त समाज के निर्माण में जनभागीदारी बढ़ाना रहा।

निधन

चन्द्रकांत चंद्राकर

आरंग। ग्राम फरफौद निवासी 36 वर्षीय चन्द्रकांत चंद्राकर का शुक्रवार को आकस्मिक निधन हो गया। उनके अंतिम संस्कार मे परिजन व ग्रामीण शामिल हुए। वे हीना चंद्राकर के पति व उत्कर्ष चंद्राकर के पिता थे।

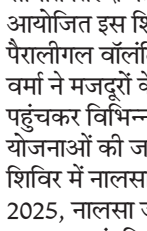

तहसील परिसर में हरित क्रांति शुरू, शारडा एनर्जी ने किया पौधारोपण

हरिभूमि न्यूज ⏭ धरसींवा

स्थानीय नए तहसील कार्यालय परिसर में सामाजिक एवं पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के तहत एक गरिमामय पौधे लगाने के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मेसर्स शारडा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड के सौजन्य से आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास का बड़ा संदेश दिया गया। इस खास मौके पर शारडा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड के प्रमुख मानव संसाधन (एचआर) श्री विवेक चौधरी एवं प्रबंधक मानव संसाधन श्री शेख महबूब सुभानी ने तहसीलदार श्री बाबूलाल कुर्रे से मुलाकात कर नए तहसील कार्यालय परिसर को हरा-भरा बनाने के संकल्प के साथ परिसर में फलदार और छायादार पौधों का रोपण किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित जनों और मीडिया को संबोधित करते हुए शारडा एनर्जी के प्रमुख मानव संसाधन श्री विवेक चौधरी ने पर्यावरण संतुलन और औद्योगिक इकाइयों की जिम्मेदारी पर विशेष जोर दिया। अपने सारगर्भित उद्बोधन में श्री चौधरी ने कहा कि औद्योगिक विकास के साथ-साथ प्रकृति का संतुलन बनाए रखना हम सभी का परम कर्तव्य है।

आज ग्लोबल वार्मिंग और तेजी से बदलते मौसम चक्र के इस दौर में वृक्षारोपण कोई ऐच्छिक कार्य नहीं, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के अस्तित्व को बचाने का एकमात्र जरिया बन चुका है। उन्होंने आगे कहा कि नया तहसील कार्यालय क्षेत्र के नागरिकों के लिए एक प्रमुख केंद्र है, और इस परिसर को हरित क्षेत्र के रूप में विकसित करना हमारी सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) का हिस्सा है। हम केवल पौधे लगाने में विश्वास नहीं रखते, बल्कि उनके जीवित रहने और बड़े होने तक पूरी देखभाल सुनिश्चित करेंगे। शासन-प्रशासन के साथ मिलकर ऐसे सकारात्मक प्रयास समाज को एक स्वस्थ और सुंदर भविष्य की ओर ले जाते हैं।

पौधों रोपण और सुरक्षा सहित अन्य गतिविधियां की आयोजित

नियमित रूप से सींचने की जिम्मेदारी ली

इस हरित अभियान में तहसील कार्यालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अत्यंत उत्साहपूर्वक अपनी सहभागिता निभाई। कार्यालय के स्टाफ ने खुद आगे बढ़कर विभिन्न प्रजातियों के पौधों को रोपा और उन्हें नियमित रूप से सींचने की जिम्मेदारी भी ली। कार्यक्रम के दौरान वहां मौजूद सभी प्रबुद्ध जनों और शासकीय अमले ने लगाए गए इन नन्हे पौधों के पूर्ण संरक्षण एवं संवर्धन का सामूहिक संकल्प लिया। उपस्थित लोगों ने शारडा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड की इस अनूठी और सार्थक पहल की खुले दिल से सराहना की। तहसील प्रशासन और कॉर्पोरेट जगत के आपसी समन्वय से संपन्न हुआ यह आयोजन न केवल पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने में मददगार साबित हुआ, बल्कि इसने पूरे धरसींवा क्षेत्र को एक हरित और स्वच्छ भविष्य की दिशा में अग्रसर होने के लिए प्रेरित भी किया।

मौसम : वर्षा संकट और पंचायत के फैसले से बूंद-बूंद पानी के लिए तरसे अन्नदाता

बारिश न होने से देवदा के किसान टैंकरों से कर रहे फसलों की सिंचाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

छत्तीसगढ़ में मानसून की कछुआ चाल और खंड वर्षा ने अन्नदाताओं के माथे पर चिंता की लकीरें गहरी कर दी हैं। आसमान से राहत की बौछारें न गिरने के कारण खरीफ सीजन की शुरुआत में ही किसान बेबस नजर आ रहे हैं। आरंग विकासखंड के ग्राम देवदा में तो हालात और भी बदतर हो चुके हैं। यहां मौसम की बेरुखी के बीच स्थानीय व्यवस्था ने भी किसानों से मुंह मोड़ लिया है, जिसके चलते किसान अब भारी-भरकम रकम खर्च कर किराए के टैंकरों से अपने खेतों की प्यास बुझाने को मजबूर हैं। ग्राम देवदा के कृषक केशव कुर्रे और सिकंदर सोनवानी इस समय इसी दोहरी मार से जूझ रहे हैं। किसानों ने लगभग 15 दिन पहले अपने खेतों में सरना धान की बुआई की थी। धान की नर्सरी यानी थरहा तैयार करने के लिए इस समय पानी की सबसे ज्यादा जरूरत होती है, लेकिन खंड वर्षा के कारण खेत सूखे पड़े हैं। इस विकट परिस्थिति में किसानों को

■ चिंतित किसान 15 एकड़ की खेती को बचाने के लिए जूझ रहे

उम्मीद थी कि वे गांव के पारंपरिक तालाब से पानी लेकर अपनी फसल बचा लेंगे, लेकिन ग्राम पंचायत ने नियमों का हवाला देते हुए तालाब का पानी सिंचाई के लिए देने से साफ मना कर दिया। पंचायत के इस अप्रत्याशित फैसले ने जल संकट से जूझ रहे किसानों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं। पंचायत से निराशा हाथ लगने के बाद फसल को दम तोड़ता देख किसानों ने अपनी गाढ़ी कमाई दांव पर लगा दी है। किसान केशव कुर्रे, जो 5 एकड़ में घरेलू खेती कर रहे हैं, और 10 एकड़ में खेती कर रहे बड़े कृषक सिकंदर सोनवानी ने अब किराए के वॉटर टैंकरों का सहारा लिया है। दोनों किसानों की कुल 15 एकड़ भूमि को जिंदा रखने के लिए अब तक दो बार टैंकरों से पानी मंगाकर सिंचित किया जा चुका है।

चिलचिलाती धूप और सूखे के बीच इतने बड़े रकबे को टैंकर के पानी से बचाए रखना किसी चुनौती से कम नहीं है। टैंकरों का किराया चुकाने के कारण किसानों पर भारी आर्थिक बोझ आ पड़ा है। अगर आने वाले कुछ दिनों में क्षेत्र में झमाझम बारिश नहीं हुई, तो किराए के पानी के भरोसे इस लागत को वहन कर पाना किसानों के बूते से बाहर हो जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि संकट की इस घड़ी में न तो कृषि विभाग सुध ले रहा है और न ही स्थानीय प्रशासन। यदि समय रहते इन किसानों को राहत नहीं पहुंचाई गई, तो देवदा के इन अन्नदाताओं की मेहनत और पूंजी दोनों मिट्टी में मिल जाएगी।

मानसून की दगाबाजी से किसान परेशान

कूंरा। इस बार मानसून की बेरुखी ने किसानों की नींद उड़ा दी है। जून का महीना बीतने वाला है, लेकिन क्षेत्र में एक बूंद बारिश नहीं हुई है। केवल घटाएं छाई रहती है, लेकिन बदरा बरसता नहीं है। किसान उम्मीद में आसमान ताक रहे हैं। इधर, प्री-मानसून भी धोखा दे गया। भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को 'प्री-मानसून' की फुहार भी नसीब नहीं हो रही है। जून के महीने में लू चल रही है। चिलचिलाती धूप और उमस भरी गर्मी से लोग परेशान है। बता दें कि, बारिश के अभाव में बोआई अटक गई है। खेती-किसानी का काम अभी तक शुरू भी नहीं हो सका है। हालांकि, कुछ किसान बुआई शुरू कर दिए हैं और रोपा नर्सरी भी तैयार कर रहे हैं। लेकिन इस बार मानसून लापता हो गया है। बारिश भी अभी से पीठ दिखा दी है। उल्लेखनीय है कि, राजधानी के मैदानी इलाकों में अभी तक बूंद भर बारिश नहीं हुई है। लिहाजा, किसान धान बुआई नहीं कर पा रहे हैं। इधर, बढ़ती महंगाई और पेट्रोल-डीजल संकट के बीच ट्रैक्टर वालों को भी भारी दिक्कतें उठानी पड़ रही है। मानसून की लेटलतीफी से किसान मायूस नजर आ रहे हैं। जून का आधा महीना बीत चुका है लेकिन मानसून का अता-पता नहीं है। बारिश के इंतजार में कुम्हलाए किसानों ने कहा कि, मानसून के सक्रिय नहीं होने से धान की बुवाई चालू नहीं हो पा रहा है। खुर्रा बोनी के लिए किसानों को बारिश का इंतजार है। तो वहीं इस बार किसान अकरस जोताई भी नहीं कर पाएं है। इधर, बारिश के इंतजार में खेत-क्यारी प्यासे हैं। नलकूपों के हलक सूख रहे हैं। ताल-तलैया दम तोड़ रहा है तो वहीं बांधों का दम घुटने लगा है। ऐसे में इस बार खरीफ सीजन की खेती पिछड़ सकती है। तीखी धूप और उमस भरी गर्मी ने लोगों के पसीने तो छुड़ा ही दिए साथ ही घर से बाहर निकलने की हिम्मत भी खत्म कर दिया है। छलांग लगाकर तापमान फिर तपाने लगा है। बताते चलें कि, सड़कों में वीरानी छाई रहती है। मानों भीषण गर्मी ने अघोषित कर्फ्यू लगा दिया हो। जून के महीनें में भी आसमान से पानी की बजाए आग बरस रही है। खैर जब प्री-मानसून में भी बादल बरसने को तैयार नहीं। तो भला बारिश की बूंदों का इंतजार जरा लंबा तो होगा ही। वैसे भी नाउम्मीदी की घटा तो यहां रोज छायी रहती है लेकिन ये बेईमान बादल बरसने के लिए हर बार मानसून की मुहूर्त कर जाता है।महीनों से भीषण गर्मी का कहर झेल रहे लोगों को प्री-मानसून की फुहार भी नसीब नहीं हो रही है। वैसे बादल तो रोज छा रहे हैं लेकिन बदरा बरस नहीं रहा है। हालात यह है कि, जून के महीनें में आग उगलते आसमान से लोगों को चिलचिलाती धूप और उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है।

भाजपा ने आपातकाल की गोष्ठी में मीसाबंदियों का किया सम्मान

आरंग। नगर पंचायत समोदा के साहू भवन परिसर में भारतीय जनता पार्टी जिला रायपुर ग्रामीण द्वारा गुरुवार को "संविधान हत्या दिवस – आपातकाल" विषय पर विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वर्ष 1975 में लगाए गए आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का काला अध्याय बताते हुए लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले मीसाबंदियों एवं लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान किया गया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि 25 जून 1975 को लागू आपातकाल के दौरान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, प्रेस की आजादी और नागरिक अधिकारों पर व्यापक अंकुश लगाए गए थे। ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले लोगों का साहस, त्याग और बलिदान आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

मानस सम्मेलन में बही श्रीराम की गंगा ...

रायपुर। मठपुरैना वाटर फिल्टर प्लांट परिसर में स्थित सर्व सिद्ध हनुमान मंदिर में भीमसेनी एकादशी के उपलक्ष्य में मंदिर में तीन दिवसीय सस्वर मानस गान सम्मेलन का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में रायपुर के अलावा दुर्ग, भिलाई, धमतरी, महासमुंद भाटागांव, आरंग आदि दर्जनों स्थान की करीब 50-60 मंडलियों ने मानस गान की शानदार प्रस्तुति दी। मंदिर समिति के अध्यक्ष मोहनलाल यादव, सोमनाथ निषाद और राजकुमार धीवर ने बताया कि प्रतिभागी मंडलियों के आवास और भोजन की व्यवस्था की गई थी। सभी प्रतिभागी मंडलियों का मंदिर समिति से मानस की प्रति, सम्मान निधि भेंटकर सम्मानित किया। इसके अलावा व्यक्तिगत पुरस्कार का भी वितरण किया गया। आयोजन में दीनदयाल साहू, मुक्ति साहू, नीलकंठ सारथी और किशोर गुरुजी की सक्रियता उल्लेखनीय रही। इस अवसर पर डीडी साहू ने मानस की पंक्तयों का उल्लेख करते हुए कार्यक्रम को गति प्रदान की।

सिवनी के शाला प्रवेशोत्सव में बच्चों का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला सिवनी में शाला प्रवेश उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में शाला विकास एवं प्रबंधन समिति के संरक्षक लीलाधर चंद्राकर, अध्यक्ष मुरारी धीवर एवं उपसरपंच दौलत घृतलहरे ने कक्षा पहली व छठवीं के नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर, पुष्प वर्षा कर, पाठ्यपुस्तक, गणवेश एवं लेखनी भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर लीलाधर चंद्राकर ने बच्चों को मन लगाकर अध्ययन करने की प्रेरणा दी। पूर्व सरपंच रामखेलु तारक ने जूता-मोजा वितरित किया, जबकि

मध्यान्ह भोजन समूह एवं शांति स्वरूप वर्मा के सहयोग से न्यौता भोज, लड्डू और चॉकलेट का वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन ओंकार प्रसाद वर्मा तथा आभार प्रदर्शन किशन लाल कोशले ने किया।

भाजयुमो अभनपुर मंडल की नई कार्यकारिणी में युवकों को मौका

अभनपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा अभनपुर मंडल की नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। यह घोषणा भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम नारंग के मार्गदर्शन, भाजयुमो जिला अध्यक्ष पिंटू साहू के निर्देश तथा भाजपा मंडल अध्यक्ष भरत बैस की सहमति से भाजयुमो मंडल अध्यक्ष सागर साहू द्वारा की गई। नई कार्यकारिणी में समीर यदु एवं पंचराम ओगरे को महामंत्री बनाया गया है। उपाध्यक्ष पद पर टेकराम साहू, ईश्वर साहू, रामकृष्ण सिन्हा, छोटेलाल साहू, सागर बारले और राजा बैस को जिम्मेदारी सौंपी गई है। मंत्री पद पर सुयश गिरेपुंजे, गजेंद्र साहू, छत्रपाल साहू, नीलकंठ साहू, बुधराम साहू, नीतीश सेन तथा आदित्य गुप्ता को नियुक्त किया गया है। कोषाध्यक्ष के रूप में मनदीप बंजारे, योगेश सिन्हा एवं हेमेन्द्र कुर्रे को दायित्व मिला है।सोशल मीडिया प्रभारी के रूप में आकाश साहू और दानेश साहू, मीडिया प्रभारी के रूप में सचिन साहू, विशाल साहू एवं हर्ष मिश्रा, जबकि कार्यालय प्रभारी के रूप में चंदन बारले, कौशल जोशी और रवि डहरिया को जिम्मेदारी दी गई है। नइसी प्रकार आईटी प्रमुख जतिन साहू एवं नागेश साहू, प्रशिक्षण प्रमुख शेखर बया और ललित फरिकार, प्रचार-प्रसार प्रमुख दुष्यंत तिवारी, पिंटू साहू एवं परमानंद साहू, शासकीय योजना एवं स्वरोजगार मंडल के लिए राकेश साहू, ढुकेश साहू और किशन साहू, नीति एवं अनुसंधान प्रमुख प्रदीप साहू एवं केवल साहू, खेल एवं कला प्रमुख हरीलाल पटेल, प्रभात चौबे एवं सूरजभान साहू, विधि एवं तकनीक प्रमुख मुकेश यादव, देव साहू एवं रूपेंद्र साहू तथा कन्या शक्ति संयोजिका के रूप में पूजा साहू और रश्मि साहू को नियुक्त किया गया है।

कांग्रेस महासचिव वेणु गोपाल का स्वागत

अभनपुर। अभनपुर मे आयोजित संगठन सृजन प्रशिक्षण शिविर मे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव एवं सांसद केसी वेणु गोपाल का कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व अध्यक्ष धनेन्द्र साहू के नेतृत्व मे अभनपुर के वरिष्ठ पदाधिकारियो द्वारा स्वागत किया गया इस अवसर पर पीसीसी सचिव प्रवीण साहू, ब्रम्हानंद ठाकुर,ब्लॉक अध्यक्ष भोलाराम सोनवानी,गिरधारी साहू, रामा यादव,जिपं. सदस्य यशवंत साहू,अध्यक्ष उत्रसेन गहिरवारे,पालिका उपाध्यक्ष बलविंदर गांधी,धनराज मध्यानी,जीत सरदार,नीलकमल गिलहरे,सुनील कौशल,तरूणा

शुक्ला,शीला कलड़ा,गिरधारी साहू ,राकेश सोनकर,सौरभ शर्मा ,रेवती यादव,चन्द्रहास साहू,निम्बा निम्बेकर,दीक्षा राठी,गंगा हिम्मत कौर,देवनंदनी साहू,डोमेन्द्र साहू,विमल साहू,डामन साहू,गोपेश धुरव सहित क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस पदाधिकारी शामिल रहे।

साहू समाज की आवंटित भूमि पर कब्जे की पटवारी ने सौंपी रिपोर्ट

चंदखुरी। तहसील क्षेत्र मंदिरहसौद के अंतर्गत ग्राम संकरी (जावा) में 'छत्तीसगढ़ झिरिया साहू समाज' को आवंटित शासकीय भूमि पर कथित अवैध कब्जे को लेकर समाचार प्रकाशित होने के बाद राजस्व प्रशासन अंततः गहरी नींद से जाग गया है। लंबे समय से लंबित इस संवेदनशील मामले में क्षेत्रीय तहसीलदार ने कड़ा संज्ञान लेते हुए मातहत राजस्व अमले को त्वरित और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के सख्त निर्देश जारी किए हैं।तहसीलदार के निर्देशों के बाद क्षेत्रीय पटवारी ने अविलंब विवादित स्थल का दौरा कर जमीनी हकीकत का बारीकी से परीक्षण किया। पटवारी ने भूमि की वर्तमान स्थिति, सीमांकन और

खबर का असर

अवैध कब्जे से जुड़े सभी महत्वपूर्ण तथ्यों व दस्तावेजों को संकलित कर अपना विस्तृत प्रतिवेदन (रिपोर्ट) तहसीलदार कार्यालय को सौंप दिया है।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस विवादित भूमि को लेकर पूर्व में ही नायब तहसीलदार न्यायालय द्वारा बेदखली (अतिक्रमण हटाने) का स्पष्ट आदेश जारी किया जा चुका था। इसके बावजूद मैदानी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने के कारण साहू समाज के लोगों में प्रशासन के प्रति गहरा असंतोष और आक्रोश पनप रहा था। लेकिन जैसे ही यह मामला मीडिया के माध्यम से पुरजोर तरीके से सामने आया, प्रशासनिक हलकों में खलबली मच गई और आनन-फानन में फाइलों को आगे बढ़ाकर दस्तावेजों की समीक्षा तेज कर दी गई।इधर, राजस्व प्रशासन द्वारा मामले में दिखाई गई इस तत्परता का साहू समाज के पदाधिकारियों ने स्वागत किया है। समाज के प्रतिनिधियों का कहना है कि उनका उद्देश्य किसी भी प्रकार के विवाद को बढ़ावा देना नहीं है, बल्कि शासन द्वारा समाज के कल्याण के लिए जो भूमि वैधानिक रूप से आवंटित की गई है, उसे भू-माफियाओं और अतिक्रमणकारियों से मुक्त कराकर समाज का वैधानिक अधिकार बहाल कराना है।

नियमित यातायात निगरानी सुनिश्चित की जाए

यातायात प्रबंधन में कोताही पर रिस्क ऑडिट की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

नगर के प्रमुख मार्गों और व्यस्त चौक-चौराहों पर बढ़ते यातायात दबाव के बीच सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता लगातार बढ़ रही है। विशेष रूप से राजिम से आरंग पहुंच मार्ग, कॉलेज चौक, नया मंडी जाने वाला चौक तथा राजीव गांधी नहर से गौरव पथ को जोड़ने वाला दुर्घटना संभावित क्षेत्रों के रूप में सामने आए हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इन स्थानों पर वाहनों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है, लेकिन यातायात प्रबंधन की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इन जंक्शनों पर पूर्व में कई छोटे-बड़े हादसे भी हो चुके हैं, जिससे आम लोगों में चिंता का माहौल है। नागरिकों ने मांग की है कि इन मार्गों का वैज्ञानिक तरीके से रिस्क ऑडिट कराया जाए, ताकि सड़क की डिजाइन, दृश्यता, संकेतक, प्रकाश व्यवस्था, स्पीड

कंट्रोल और ट्रैफिक फ्लो से जुड़ी कमियों की पहचान कर आवश्यक सुधार किए जा सकें। उनका मानना है कि समय रहते सुरक्षा उपाय अपनाने से भविष्य में होने वाली गंभीर दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है।

स्थानीय लोगों एवं जनप्रतिनिधियों ने लोक निर्माण विभाग, नगर पालिका परिषद और यातायात पुलिस से इस विषय को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि जनहित को ध्यान में रखते हुए इन जंक्शनों पर संकेतक बोर्ड, स्पीड ब्रेकर, ट्रैफिक सिग्नल, रोड मार्किंग, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा नियमित यातायात निगरानी सुनिश्चित की जाए। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते आवश्यक सुरक्षा उपाय नहीं किए गए तो भविष्य में किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता। इसलिए प्रशासन को सड़क सुरक्षा के इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करनी चाहिए।

स्मार्ट मीटर संकट पर रीडरों ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

मीटर रीडरों ने आरंग विधायक एवं मंत्री गुरु खुशवंत साहेब को ज्ञापन सौंपा। वर्षों से मीटर रीडिंग कार्य कर रहे रीडरों के समक्ष अब रोजगार का संकट गहराने लगा है, क्योंकि केंद्र सरकार की स्मार्ट मीटर योजना से बिलिंग एवं मीटर रीडिंग का कार्य समाप्त होने की संभावना है। इससे मीटर रीडरों की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

वर्तमान में छत्तीसगढ़ में लगभग 5000 मीटर रीडर मीटर रीडिंग कर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं। स्मार्ट मीटर लागू होने के कारण अब उनका कार्य समाप्ति की ओर है। रीडरों ने गुरु खुशवंत साहेब को अपनी समस्या बताते हुए इस मुद्दे

को विधानसभा में रखने का आग्रह किया। वहीं विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने भी समस्या को गंभीरता से लेते हुए इस विषय को मुख्यमंत्री के समक्ष रखने का आश्वासन दिया। ज्ञापन देने वालों में खिलेश साहू (कोसरंगी डीसी), कैलाश धृतलहरे, भगवान दास (आरंग डीसी), रूपेश भारती (चंदखुरी डीसी) सहित अन्य रीडर उपस्थित रहे।

3 साल से दफ्तरों के चक्कर काट रही महिला का आधार हुआ अपडेट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर जिले में कई ऐसे लोग हैं, जिनका आधार अपडेट नहीं हो पा रहा है। इसके कारण इन लोगों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत जारी राशन कार्ड सहित सरकार की अन्य कई योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इनमें युवाओं की तुलना में बुजुर्ग एवं बच्चों की संख्या ज्यादा है। ऐसी ही रायपुर निवासी एक महिला का पिछले लगभग 3 साल से किन्हीं कारणों से आधार अपडेट नहीं हो रहा था। इस दौरान महिला कई बार संबंधित विभाग के दफ्तरों के चक्कर भी काट चुकी थी।

- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत के बाद दो दिन के भीतर समस्या का निराकरण

इस बीच महिला को जानकारी मिली कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत करने पर समस्या का जल्द से जल्द निराकरण हो रहा है। उन्होंने देर किए बिना इसकी शिकायत की, जिसके बाद संबंधित विभाग में हड़कंप मचा और आनन-फानन में देर किए बिना दो दिन के भीतर महिला से न केवल संपर्क साधा गया, बल्कि उसके आधार को भी अपडेट कराया।

1076 में शिकायत से खुल रही विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों की पोल

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076 में लगातार विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें आ रही हैं। इन शिकायतों के आधार पर उनका निराकरण भी किया जा रहा है। हालांकि इनमें कई ऐसी शिकायते भी आ रही है, जिससे विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारियों की कार्यशैली की पोल भी खुल रही है। आधार अपडेट के मामले में भी कुछ इसी प्रकार की पोल खुली है। शिकायतकर्ता दुर्गा बाई साहू ने लगभग 3 साल से अपना आधार कार्ड को अपडेट कराने के लिए दफ्तरों के चक्कर काट रही है। इसके बाद भी उसका आधार को अपडेट नहीं किया जा रहा था। इसके कारण महिला को कई सरकारी योजनाओं का लाभ भी नहीं मिल पा रहा था। इस मामले की शिकायत जब मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर पर की गई, तो इसमें विभाग ने तुरंत एक्शन लिया और महिला के आधार को अपडेट कराया। सवाल यह है कि आखिर लंबे समय से महिला के आधार को अपडेट क्यों नहीं किया जा रहा था। इसके लिए कौन अधिकारी-कर्मचारी जिम्मेदार है।

कमला मिश्रा का 6 घंटे में बना राशन कार्ड

इसी प्रकार बुजुर्ग महिला कमला मिश्रा ने राशन कार्ड बनाने के लिए आवेदन किया था, जो बन नहीं पाया था। राशन कार्ड नहीं बनने से महिला को वन नेशन वन कार्ड योजना का लाभ भी नहीं मिल रहा था। कमला के बे आनंद ने राशन कार्ड से संबंधित शिकायत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में की थी। इस शिकायत के बाद उन्हें एक यूनीक टोकन नंबर जारी हुआ, जिसके 6 घंटे के भीतर ही कमला का राशन कार्ड बन गया।

खबर संक्षेप

पाथ आईएएस एकेडमी में अग्नि सुरक्षा सहित अन्य सुविधाओं का निरीक्षण

रायपुर। राजधानी रायपुर में अग्निशमन विभाग, नगर निगम सहित अन्य विभागों की टीम संयुक्त टीम कोचिंग सेंटरों में अग्नि सुरक्षा सहित अन्य सुविधाओं का औचक निरीक्षण कर रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को नगर निगम जोन क्रमांक-4 क्षेत्र में संचालित पाथ आईएएस एकेडमी में जांच की गई। इस दौरान अधिकारियों ने एकेडमी संचालक को सुरक्षा एवं सुविधाओं से संबंधित कड़े निर्देश दिए गए।

सहकारी सप्ताह कार्यक्रम 29 से

रायपुर। रायपुर जिले में 29 जून से 6 जुलाई तक सहकारी सप्ताह मनाया जाएगा। सहकारी सप्ताह का उद्देश्य सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण एवं कृषि अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना, सहकारी संस्थाओं का विस्तार करना तथा आमजन को सहकारी योजनाओं से जोड़ना है। इस अवसर पर जिले की प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पीएसीएस), मत्स्य सहकारी समितियों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), महिला स्व-सहायता समूहों तथा अन्य सहकारी संस्थाओं की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। सप्ताह भर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में सदस्यता विस्तार अभियान, सहकारिता जागरूकता कार्यक्रम, कार्यशालाएं, स्वास्थ्य शिविर, वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान, मॉडल पैक्स भ्रमण, जन औषधि केंद्रों में स्वास्थ्य परीक्षण, सहकारी उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार तथा उत्कृष्ट सहकारी संस्थाओं एवं व्यक्तियों का सम्मान शामिल है। सहकारी सप्ताह के अंतर्गत कृषि मंडपम रायपुर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम होगा, जिसमें सहकारिता क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली संस्थाओं एवं व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा, साथ ही सहकारिता के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों एवं उपलब्धियों का प्रदर्शन भी किया जाएगा।

कॉलोनाइजरों से वसूली गई गरीबों की सेवा निधि की राशि अब गरीबों पर ही खर्च करनी होगी

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के सभी नगर निगमों और नगर पालिकाओं को निर्देश दिया है कि कॉलोनाइजरों से प्राप्त 'गरीबों की सेवा निधि' का उपयोग केवल गरीब और आवासहीन लोगों से जुड़े कार्यों पर किया जाए। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस राशि को स्लम और पुरानी झुग्गी बस्तियों में बुनियादी सुविधाओं के विकास तथा पुराने सरकारी आवासों की मरम्मत और उन्नयन जैसे कार्यों में प्राथमिकता के आधार पर खर्च किया जाए। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि राज्य के सभी नगरीय निकायों में 'गरीबों की सेवा निधि' के तहत जमा राशि का उपयोग छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम, 1956 और छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुरूप किया जाए।

क्या है 'गरीबों की सेवा निधि'

छत्तीसगढ़ में जब कोई निजी डेवलपर या कॉलोनाइजर आवासीय कॉलोनी विकसित करता है, तो उसे विभिन्न शर्तों और शुल्कों का पालन करना होता है। इन्हीं प्रावधानों के तहत नगरीय निकायों में 'गरीबों की सेवा निधि' के नाम से राशि जमा कराई जाती है।

विधानसभा चुनाव 2028 की बड़ी तैयारी का अभी से आगाज

पहली बार सभी बूथों में भाजपा की माह के अंतिम रविवार को होगी बैठक, स्थिति पर होगा मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास बातें

- फोकस प्रदेश के हर बूथ को विधानसभा चुनाव से पहले मजबूत करने पर
- एसआईआर के बाद प्रदेश में बूथों की संख्या पहुंची करीब 28 हजार
- बैठक के पहले मोदी के मन की बात कार्यक्रम को भी सुना जाएगा

प्रदेश भाजपा संगठन ढाई साल पहले ही अभी से चुनावी मोड में आ गया है। भाजपा ने 2028 के विधानसभा चुनाव की तैयारी प्रारंभ कर दी है। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन के निर्देश पर प्रदेश भाजपा संगठन ने तय किया है कि अब बूथों से लेकर जिलों में हर माह बैठक की जाएगी। इसमें कोई भी लापरवाही नहीं चलेगी। इसका प्रारंभ भी इस माह से हो गया है। पहले तीन सप्ताह में जिलों, मंडल और शक्ति केंद्रों की बैठक हो चुकी है। अब माह के अंतिम रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात के बाद सभी बूथों में बैठक होगी। इसमें बूथों की स्थिति पर मंथन होगा। भाजपा का सबसे बड़ा फोकस प्रदेश के हर बूथ को विधानसभा चुनाव से पहले मजबूत करने पर है।

भाजपा की चुनावों को लेकर हमेशा से ही अलग रणनीति रहती है। भाजपा किसी भी राज्य में चुनाव की तैयारी काफी पहले से प्रारंभ कर देती है। अप्रैल और मई में पांच राज्यों के चुनाव के बाद भाजपा ने अभी से 2027 और 28 में जिन भी विधानसभाओं में चुनाव होने हैं उसकी तैयारी प्रारंभ कर दी है। अपने राज्य छत्तीसगढ़ मे 2028 में विधानसभा चुनाव होगा। इसके लिए अभी करीब ढाई साल का समय है, लेकिन यहां पर अभी से तैयारी करने का काम प्रारंभ कर दिया गया है।

पहली बार हर माह बैठक की रणनीति

भाजपा का हमेशा से ही बूथों पर बड़ा फोकस रहता है। बूथों को मजबूत करके भाजपा चुनाव जीतने का काम करती है। पिछले चुनाव में भी बूथों की पूरी कुंडली तैयार करके कमजोर बूथों पर फोकस किया गया और भाजपा एक बार फिर से सत्ता में वापस आई। अब एसआईआर के बाद प्रदेश में करीब 25 हजार बूथों के स्थान पर करीब 28 हजार बूथ हो गए हैं तो भाजपा का उन तीन हजार नए बूथों पर भी बड़ा फोकस है। अब इस माह से भाजपा का बैठकों की दौर प्रारंभ हो गया है। इसमें बूथों को लेकर खास मंथन किया जा रहा है। किस मंडल और किस जिले में कितने बूथ ऐसे हैं जो कमजोर हैं। इसके बाद इन बूथों को मजबूत करने की रणनीति तैयार करके इनको मजबूत किया जाएगा। भाजपा के पास हर बूथ के लिए पन्ना और पेज प्रभारी हैं। इनको बड़ी जिम्मेदारी दी जाएगी। बैठकों के लिए क्रम भी तय किया गया है। हर माह के पहले सप्ताह में मंडलों की बैठक होगी। दूसरे सप्ताह में जिलों और तीसरे सप्ताह में शक्ति केंद्रों की बैठक होगी। अंत में बूथों की बैठक चौथे सप्ताह में ही होगी। इस माह तीन स्तर की बैठकों के बाद अब अंत में बूथों की बैठक का नंबर है। बूथों में बैठक के पहले मोदी के मन की बात कार्यक्रम को भी सुना जाएगा।

अलका लाम्बा ने संगठन को मजबूत करने की दी नसीहत

कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण का 7वां दिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर के 7वें दिन महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लाम्बा, कांग्रेस कनेक्ट सेन्टर के प्रभारी शशिकांत सेंथिल और राष्ट्रीय सचिव वामची रेड्डी ने जिला अध्यक्षों को पार्टी की रीति-नीति और संगठन की मजबूती के गुर सिखाए।

महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने कहा, संगठन सृजन के माध्यम से कांग्रेस पार्टी ने आपको जिला अध्यक्ष के रूप में अवसर दिया है। आपको मिल अवसर का उपयोग संगठन की मजबूती के लिए करना है। उन्होंने कहा की मोदी के राज में देश में महिलाएं असुरक्षित हुई है। आप सब महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए आवाज उठाए। अनुशासन संगठन की सर्वोपरि है, सभी को अनुशासन के साथ संगठन को मजबूत करना है। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रभारी सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने भी जिला अध्यक्षों के ट्रेनिंग में व्याख्यान दिया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 27 जून को संबोधित करेंगे, पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव भी प्रशिक्षण शिविर में व्याख्यान दे चुके है, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू ने भी प्रशिक्षण शिविर में व्याख्यान दिया। जिला अध्यक्षों का प्रशिक्षण शिविर 29 जून तक चलेगा। अभी तक छत्तीसगढ़ का राजनैतिक इतिहास, संविधान, विभिन्न राजनैतिक मामलों, राज्य के ज्वलंत मुद्दों, संगठन के स्ट्रक्चर एवं आगामी आंदोलन की रूपरेखा जैसे विषयों पर व्याख्यान हो चुका है। जिला अध्यक्ष 8 गांव में रात्रि विश्राम एवं श्रमदान भी कर चुके हैं। एआईसीसी के प्रभारी सचिव राव की देखरेख में प्रशिक्षण चल रहा है। प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू और प्रदेश कांग्रेस के महत्वपूर्ण पदाधिकारी प्रशिक्षण स्थल पर व्यवस्था संभाल रहे हैं।

बैज बोले - यूसीसी से होगा आदिवासियों का नुकसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, अगर छत्तीसगढ़ में यूसीसी लागू होता है, तो सबसे बड़ा नुकसान छत्तीसगढ़ के आदिवासियों को होगा। यूसीसी छत्तीसगढ़ के आदिवासियां के खिलाफ है, राज्य में केवल आदिवासी ही ऐसे हैं, जिन्हें प्रदेश में निवासरत अन्य लोगों की अपेक्षा विशेष संवैधानिक संरक्षण मिला हुआ है।

इसके अलावा कोई भी वर्ग छत्तीसगढ़ में नहीं है, जिसके लिए विशेष नागरिक प्रावधान लागू है। छत्तीसगढ़ में 32 प्रतिशत से अधिक आबादी आदिवासियों की है, संरक्षित जनजातियां हैं, जिन्हें संविधान में कुछ विशेष अधिकार मिले हैं। उनकी रक्षा के लिए पेसा कानून लागू है और 5 अनुसूची लागू है और भाजपा यूसीसी लाकर आदिवासियों के हितों में डकैती डालने की कोशिश में है।

श्री बैज ने कहा, जब से बस्तर में नक्सलवाद खत्म होने की घोषणा हुई है उसके बाद से ही भाजपा के समर्थित उद्योगपति बस्तर में आदिवासियों की जमीन पर नजरें गड़ाए हुए हैं। बस्तर में भाजपा के समर्थित उद्योगपतियों की नजर लग चुकी है और वह आदिवासियों की जमीन हड़पना चाहते हैं। यूसीसी लाने की कवायद इसीलिए है। राज्य के आदिवासियों के हितों को दरकिनार करके उद्योगपतियों के हितों को बढ़ावा देने की कोशिश है।

मिश्रा ने कहा- भाजपा की नकल कर रही कांग्रेस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. विजयशंकर मिश्रा ने कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित प्रशिक्षण शिविर को लेकर कहा, जो पार्टी दशकों तक अपने ही जमीनी कार्यकर्ताओं को भूल चुकी थी और उन्हें सिर्फ एक वोट बैंक व दरी उठाने वाला समझती रही, वह आज प्रशिक्षण के माध्यम से कार्यकर्ताओं में सम्मान की भावना जगाने का ढोंग कर रही है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि वस्तुतः देश और प्रदेश की जनता द्वारा बार-बार नकारे जाने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता पूरी तरह से हताश और निराश हो चुके हैं। अपनी इस राजनीतिक जमीन को खिसकता देख कांग्रेस अब पूरी तरह से भारतीय जनता पार्टी के सांगठनिक ढांचे और प्रशिक्षण शिविरों की नकल करने पर उतारू हो गई है।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि बड़ी अजीब विडंबना है कि राहुल गांधी, सचिन पायलट और अलका लांबा जैसे नेता, जिन्हें खुद राजनीतिक मर्यादा, नीति और संगठन का कोई व्यावहारिक प्रशिक्षण नहीं है, अब अपने कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने का दावा कर रहे हैं। जो खुद अप्रशिक्षित हैं, वे दूसरों को क्या दिशा देंगे। क्या इस प्रशिक्षण शिविर में कार्यकर्ताओं को एक बार फिर से वही पुराना कांग्रेस मार्ग यानी भ्रष्टाचार करने की नई तकनीकें सिखाई जाएंगी।

29 लाख से ज्यादा सदस्यों के ई-केवायसी लंबित 15 जुलाई अंतिम तारीख, इसके बाद रद्द होंगे आईडी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में उचित मूल्य दुकानों के कार्ड धारकों को वन नेशन वन कार्ड योजना के तहत प्रत्येक सदस्य को ई-केवायसी कराना अनिवार्य है। जिन लोगों ने केवायसी नहीं कराया है, उन्हें उचित मूल्य दुकानों से राशन मिलना भी बंद हो गया है, लेकिन अगर आगामी 15 जुलाई तक वे केवायसी नहीं कराते, तो उनके राशन कार्ड सदस्यता के आईडी भी रद्द हो जाएंगे। इसके बाद बचे हुए कार्ड सदस्यों को नई प्रक्रिया के तहत नाम जुड़वाना या राशन कार्ड बनवाना होगा।

जानकारी नहीं देने पर अधिकारियों पर गिरेगी गाज

जारी आदेश में सभी जिला अधिकारियों को चेतावनी भी दी गई है कि समय-सीमा के अंदर अगर रिपोर्ट मुख्यालय में पेश नहीं की गई, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

5 वर्ष से कम उम्र के 9 लाख बच्चों का भी नहीं हुआ केवायसी

जिन सदस्यों के केवायसी नहीं हुए है, उनमें 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चे भी शामिल है। इनकी संख्या 9 लाख 79 हजार 370 है। केवायसी नहीं होने से इन बच्चों सहित प्रदेश में 29 लाख 25 हजार सदस्यों को उनके कोटे का राशन मिलना भी बंद हो गया है।

जिलेवार शेष ई-केवायसी नहीं कराने वाले सदस्यों की संख्या

बस्तर	115424
बीजापुर	63182
दंतेवाड़ा	47943
कांकेर	82701
कोंडागांव	65405
नारायणपुर	31153
सुकमा	80853
बिलासपुर	192253
गौरेला-पेंड्रा-मरवाही	32025
जांजगीर-चापा	122049
कोरबा	120985
मुंगेली	83705
रायगढ़	88826
बालोद	67583
बेमेतरा	99622
दुर्ग	183497
कवर्धा	98609
राजनांदगांव	81079
बलौदाबाजार	138737
धमतरी	64204
गरियाबंद	62572
महासमुंद	104514
रायपुर	293783
बलरामपुर	88350
जशपुर	99771
कोरिया	24574
सरगुजा	105029
सूरजपुर	65205
खैरागढ़	39230
मोहला-मानपुर	24920
सक्ती	58096
सारंगढ़-बिलाईगढ़	59458
मनेंद्रगढ़-चिरमिरी	39672

इंटरनेट पर आम लोग देख नहीं पा रहे विधायक निधि के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों के निर्माण की स्थिति सहित अन्य ब्योरा

एमएलए लैड्स डॉट सीजी पोर्टल 3 माह पहले किया लांच, अब तक नहीं हुआ पब्लिक डोमेन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

लोकसभा-राज्यसभा के सांसदों की तर्ज पर छत्तीसगढ़ सरकार ने भी एमएलए लैड्स डॉट सीजी पोर्टल लांच किया है। इस पोर्टल को विधायकों को जारी होने वाली विधायक निधि की राशि की पाई-पाई का हिसाब रखने तथा इसके तहत स्वीकृत विकास कार्यों के निर्माण, एजेंसियों को भुगतान तथा कार्यों की स्थिति सहित आय-व्यय के ब्योरा में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से किया गया है।

हालांकि इस पोर्टल को लांच हुए लगभग 3 महीने हो चुके हैं। इसके बाद भी पोर्टल को अब तक आम लोगों के लिए सार्वजनिक नहीं किया गया है। पोर्टल को विधायकों के अलावा योजना एवं सांख्यिकी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी ही खोल पा रहे हैं। इसके लिए उन्हें आईडी एवं पासवर्ड भी दिए गए हैं। इधर विभाग के एक अधिकारिक सूत्र ने बताया कि पोर्टल में अभी भी कुछ काम चल रहा है, इसलिए इसे अब तक पब्लिक डोमेन नहीं किया है। आगामी कुछ महीनों में इसे पब्लिक डोमेन किए जाने की संभावना है।

पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हुआ एमएलए लैड्स अप्रैल में पूरे प्रदेश में लागू

एमपीलैड्स की तर्ज पर एमएलए लैड्स सीजी पोर्टल को सबसे पहले पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लाया गया था। पोर्टल निर्माण के बाद इसका ट्रॉयल अप्रैल 2024 में रायपुर के सातों विधानसभा क्षेत्रों से किया था। पोर्टल के शुरू होने के बाद इसमें कई तकनीकी कमियां पाई गई थीं, जिसे धीरे-धीरे सुधारा जा रहा था। इन कमियों को सुधारने में लगभग दो साल लग गए। इसके बाद पोर्टल को अप्रैल 2026 में पूरे प्रदेश में लागू किया, जिसके बाद से पोर्टल के माध्यम से विधायक विकास कार्यों को स्वीकृत कराने अनुशंसा पत्र भेजने से लेकर स्वीकृति प्रदान करना सहित अन्य सभी कार्य ऑनलाइन ही होने लगे हैं।

पूरे प्रदेश में लागू हो चुका

रायपुर जिले में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हुआ एमएलए लैड्स पोर्टल पूरे प्रदेश में लागू हो चुका है। पोर्टल के माध्यम से ही अब सारे कार्य ऑनलाइन हो रहे हैं। पोर्टल को अभी पब्लिक डोमेन नहीं किया है। आगामी कुछ महीनों में किए जाने की संभावना है।

- यूसुफ कुजूर, उप संचालक, योजना एवं सांख्यिकी रायपुर

गाइड लाइन-खर्च का ब्योरा, स्वीकृत कार्यों की स्थिति सहित अन्य सभी जानकारी पोर्टल में अपलोड

एमएलए लैड्स पोर्टल को विधायक निधि से खर्च की पाई-पाई का हिसाब के लिए बनाया है। इस पोर्टल में एमपीलैड्स की तरह फंड रिलीज स्टेटमेंट, स्वीकृत कार्यों का ब्योरा एवं स्थिति का विवरण, विधायक निधि की गाइड लाइन, सर्कुलर, वार्षिक रिपोर्ट, बैंक एवं खाता के डिटेल सहित अन्य कई तरह की जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध है। इस तरह विधायक द्वारा स्वीकृत कार्य से संबंधित कितनी राशि निर्माण एजेंसी को ट्रांसफर हुई, कितना प्रतिशत कार्य पूर्ण हुआ, कार्य समय-सीमा में पूर्ण नहीं हुआ, तो इसका कारण की जानकारी का उल्लेख भी पोर्टल में ऑनलाइन है। उल्लेखनीय है कि पोर्टल को पब्लिक डोमेन नहीं किए जाने से जनता को विधायक निधि के तहत कितने और कौन-कौन से कार्यों को स्वीकृत मिली है तथा कितने कार्य पूर्ण, अपूर्ण एवं अप्रारंभ हैं, निर्माण एजेंसियों को स्वीकृत कार्यों के लिए कितनी राशि का भुगतान हुआ, कितना बाकी है, इसकी जानकारी भी नहीं मिल पा रही है।

खबर संक्षेप

प्रभु 'बा' के सानिध्य में 'महामंत्र' का अखंड जाप कल से

रायपुर। परमहंस राजयोगी प्रभु 'बा' के सानिध्य में 'ओम नमो भगवते वासुदेवाय' महामंत्र के

अखंड जाप का आठ दिवसीय का आयोजन 28 जून से 5 जुलाई तक किया जाएगा। इस दौरान प्रभु बा अपने भक्तों व अनुयायियों को दिव्य दर्शन देने के साथ उन्हें शक्तिपात दीक्षा भी देंगी। गुरुदेव के दर्शन और सत्संग का समय रात्रि 11 बजे के बाद निर्धारित किया गया है। यह कार्यक्रम राजीव नगर स्थित विनीत गुप्ता के निवास तृप्ति, द्वितीय तल, एच-3 फर्स्ट लेन में आयोजित किया गया है। यह जानकारी कार्यक्रम आयोजक ने देते हुए बताया कि परमहंस स्वामी सुगंधेश्वरानंद राजयोगी प्रभु 'बा' एक प्रतिष्ठित आध्यात्मिक गुरु हैं। उन्हें शक्तिपात दीक्षा का आशीर्वाद योगीराज गुलवणी महाराज से प्राप्त हुआ। भक्तों द्वारा प्रेम से उन्हें प्रभु बा (मां) कहकर पुकारा जाता है।

निरंजन अध्यक्ष, सुरेश बने सेंट्रल बैंक यूनियन के महासचिव

रायपुर। इंटक एवं इन्बेफ से सम्बद्ध ऑल इंडिया सेंट्रल बैंक एम्प्लाइज

एसोसिएशन के सेंट्रल कमेटी की

बैठक विगत दिनों एक निजी होटल में की गई। इस बैठक में विभिन्न प्रदेशों से पधारे संगठन के लगभग 50 सदस्यों शामिल हुए। बैठक के दूसरे दिन इस बैठक की संयुक्त रूप से मेजबानी करने वाले मप्र सेंट्रल बैंक एम्प्लॉइज एसोसिएशन एवं सेंट्रल बैंक ऑफिसर्स कांग्रेस के त्रैवार्षिक अधिवेशन में निरंजन सिंह यादव को अध्यक्ष, सुरेश बानी को महासचिव और दिलीप मायनिल को कोषाध्यक्ष बनाया गया। कॉन्फ्रेंस समापन पूर्व तनाव से बचने और स्ट्रेस को कम करने के टिप्स देते हुए प्रसिद्ध हैप्पीनेस कोच शीलू शर्मा ने 'आइये, ख़ुशियों की चाबी ढूंढे' टॉपिक पर वर्कशॉप किया, जिसमें सभी सहभागियों ने जीवन में खुश रहने के गुर सीखे। कार्यक्रम में राकेश भूतड़ा, प्रफुल्ल बंसल ने युवा बैंकरों को सलाह दी कि होम सिकनेस को त्याग, सेवाभाव और चुनौती स्वीकार कर अपना कैरियर बनाएं।

वृंदावन हॉल में काव्य संध्या का आयोजन आज

रायपुर। नवरंग काव्य मंच द्वारा सिविल लाइंस स्थित वृंदावन हॉल में 27 जून को काव्य संध्या मुसाफिर हैं हम भी मुसाफिर हो तुम भी का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रख्यात शायर डॉ. बशीर बद्र की स्मृति में किया जाएगा। कार्यक्रम में चुनिंदा रचनाकार अपनी रचनाओं का पाठ करेंगे। कार्यकम शाम 4 बजे से रात्रि 8 बजे तक होगा। मंच संचालन कवि राजेश जैन राही करेंगे। बतौर अतिथि डॉ. मानिक विश्वकर्मा नवरंग, डॉ. चितरंजन कर, अशोक शर्मा महासमुंद, डॉ. श्वेता चौबे, एम. राजीव शामिल होंगे।

निधन

विकास पाण्डेय

रायपुर। चंगोराभाठा निवासी, जिला

कुटुंब न्यायालय में रीडर विकास पांडेय(48) का 26 जून को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 27 जून को सुबह 10 बजे उनके निवास से महादेवघाट श्मशाघाट के लिए निकलेगी।

पत्र क्र. 31597/ न.पा.नि./ जोन क्र.-10/ 2026, रायपुर, दिनांक 19.06.2026

ईश्तहार

नामांतरण प्र.क्र.- 31597

वार्ड का नाम- 50 पं. विद्याचरण शुल्क वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR445E00190** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **DR. RAJESH BHAGWANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **UDDHAMDAS BHAGWANI** के नाम से दर्ज हैं जिसको श्री/श्रीमती **MAHAK BHAGWANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **AMIT KUMAR BHAGWANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** /वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत दावा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे।

श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर) जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम रायपुर (छ.ग.)

रविवि के प्रोफेसर आवंटित करेंगे देशभर के विश्वविद्यालयों को खेल प्रतियोगिताएं

पं.रविशंकर शुक्ल विवि के प्रोफेसर अब देशभर के विश्वविद्यालयों में खेल प्रतियोगिताओं का आवंटन करेंगे। भारतीय विवि संघ द्वारा इस संदर्भ में एक अधिसूचना जारी की गई है। रविवि के प्रो.राजीव चौधरी को इसके लिए चयनित किया गया है। अखिल भारतीय विश्वविद्यालय संघ ने उन्हें सत्र 2026-27 की अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालयीय खेल प्रतियोगिताओं के आवंटन के लिए गठित राष्ट्रीय समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया है। प्रो.चौधरी वर्तमान में रविवि में अधिष्ठाता छात्र कल्याण के साथ विधि व खेल विभागाध्यक्ष हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

यह राष्ट्रीय समिति देशभर के विश्वविद्यालयों से प्राप्त प्रस्तावों का परीक्षण एवं मूल्यांकन कर विभिन्न अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालयीय खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए विश्वविद्यालयों का चयन एवं आवंटन करेगी। समिति खेल अधोसंरचना, आवास, परिवहन, चिकित्सा सुविधाओं, मानव संसाधन एवं पूर्व आयोजन अनुभव जैसे महत्वपूर्ण मानकों के आधार पर निर्णय लेगी। खेल जीवन में उनकी उपलब्धियां तथा खेल प्रशासन एवं प्रबंधन के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों और अनुभव को देखते हुए यह दायित्व प्रदान किया गया है।

अखिल भारतीय विश्वविद्यालय संघ ने जारी की अधिसूचना

देशभर के विश्वविद्यालयों से प्राप्त प्रस्तावों के परीक्षण एवं मूल्यांकन

रविवि ने साझा की अपनी उपलब्धियां

खेल आधारित पाठ्यक्रमों में नवीन शैक्षणिक सत्र के लिए दाखिले प्रारंभ हैं। रविवि द्वारा खेल संबंधित अपनी उपलब्धियां साझा की गई हैं। रविवि द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, सत्र 2023-24 में रविवि ने 63 विभिन्न खेलों में सहभागिता की। महिला टेनिस टीम ने पूर्वांचल अंतर विवि प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान व महिला क्रिकेट, महिला वॉलीबॉल एवं महिला शतरंज टीमों ने तृतीय स्थान अर्जित किया। पुरुष टेनिस एवं पुरुष शतरंज टीम ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। अखिल भारतीय प्रतियोगिता में पुरुष भारोत्तोलन टीम ने रजत पदक प्राप्त किया। खेलो इंडिया में भी पुरुष भारोत्तोलन टीम ने स्वर्ण पदक अर्जित किया। सत्र 2024-25 में विवि की टीमों ने 67 खेलों में भाग लिया। महिला टेनिस टीम ने द्वितीय स्थान तथा पुरुष टेनिस, महिला वॉलीबॉल, पुरुष खो-खो एवं पुरुष हैंडबॉल टीमों ने तृतीय स्थान, महिला शतरंज टीम ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

खिलाड़ी छात्रों के लिए समय-सारिणी जारी

रविवि द्वारा उन खिलाड़ी छात्रों के लिए समय-सारिणी जारी कर दी गई है, जो विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के कारण परीक्षा नहीं दिला पाए थे। सत्र 2025-26 में पुरुष एवं महिला टीमों ने 65 खेलों में भागीदारी की थी। पूर्वांचल प्रतियोगिता में महिला वॉलीबॉल, महिला टेनिस, महिला खो-खो एवं महिला हैंडबॉल टीमों ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। खेलो इंडिया में पुरुष जूडो टीम ने रजत पदक अर्जित किया। इसके अतिरिक्त विवि के क्रिकेट खिलाड़ी कृतेश साहू का चयन प्रतिष्ठित विज्जी ट्रॉफी टीम में हुआ। इनमें से जो खिलाड़ी परीक्षा से वंचित रह गए, उनके लिए विशेष परीक्षा आयोजित की जाएगी।

पंजीकृत पुराने वाहन 52 लाख में से महज 13 लाख गाड़ियों में एचएसआरपी

एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाने की गति कछुवा चाल से भी धीमी

राज्य में एक अप्रैल 2019 के पूर्व गाड़ियों की संख्या 52 लाख रजिस्टर्ड है। नियम के मुताबिक उन सभी पुरानी गाड़ियों में एचएसआरपी नंबर लगवाना अनिवार्य है। राज्य में पिछले वर्ष नवंबर से पुरानी गाड़ियों में एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाने का अभियान शुरू किया गया है। एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाने का अभियान शुरू हुए आठ माह हो गए हैं। इन आठ माह में महज 13 लाख पुरानी गाड़ियों में एचएसआरपी नंबर प्लेट लग पाए हैं। सवा लाख के करीब आवेदन पेंडिंग हैं, जिन वाहन मालिकों ने एचएसआरपी नंबर प्लेट लगवाने आवेदन दिए हैं।

मोबाइल नंबर अपग्रेडेशन की अनिवार्यता समाप्त होने के बाद भी वाहन मालिक उदासीन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाने का अभियान शुरू किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपराध पर अंकुश लगाने गाड़ियों में एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाने आदेश जारी किया था। इसके लिए देश की सभी राज्य सरकारों को एक अप्रैल 2019 के पूर्व की जितनी गाड़ियां हैं, उन गाड़ियों में एचएसआरपी लगाने समय सीमा निर्धारित करने आदेश दिए थे।

औसतन सात हजार गाड़ियों में एचएसआरपी

पूरे प्रदेश में पुरानी गाड़ियों में एचएसआरपी लगाने की जो रफ्तार है, वह रोजाना औसतन सात हजार दो सौ के करीब है। परिवहन विभाग में पंजीकृत रजिस्टर्ड वाहन 52 लाख में से 15 प्रतिशत गाड़ियों को कबाड़ मान भी लिया जाए, तो अब भी पुरानी गाड़ियों की संख्या 44.20 लाख के करीब होती है। जिस रफ्तार से एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाए जा रहे हैं, उस लिहाज से पुरानी गाड़ियों में एचएसआरपी लगाने का काम कंपलीट होने में तीन साल से ज्यादा का और समय लग सकता है।

ट्रैफिक, परिवहन विभाग का ज्वाइंट ऑपरेशन पड़ा ठंडा

पूर्व में परिवहन विभाग के अफसरों ने ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर पुरानी गाड़ियां जिनमें एचएसआरपी नहीं लगा है, उन गाड़ियों में एचएसआरपी नंबर प्लेट लगवाने की प्रक्रिया शुरू करने के दावे किए थे। साथ ही जो वाहन मालिक अपनी गाड़ियों में एचएसआरपी नहीं लगवाएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी गई थी। परिवहन विभाग ने ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर पुरानी गाड़ियों में एचएसआरपी लगाने का अभियान शुरू भी किया था, लेकिन बाद में अभियान ठंडा पड़ गया।

छूट मिलने के बाद भी लोग नंबर प्लेट बदलवाने उदासीन

पूर्व में एचएसआरपी के लिए आवेदन करने के समय पहले मोबाइल नंबर अपडेट कराना होता था। इससे लोगों को मोबाइल नंबर अपडेट कराने में परेशानी हो रही थी। इस बात को ध्यान में रखते हुए परिवहन विभाग ने एचएसआरपी लगवाने के समय मोबाइल नंबर अपडेट कराने की छूट दी। इससे लगा कि अब एचएसआरपी लगाने में तेजी आएगी। छूट मिलने के बाद भी एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाने के काम में तेजी नहीं आई है। अब तक महज 20 से 21 प्रतिशत पुरानी गाड़ियों में एचएसआरपी लग पाई है।

एचएसआरपी लगवाने रुचि नहीं

जिन पुराने वाहन मालिकों का पूर्व में परिहवन विभाग में मोबाइल नंबर के साथ एड्रेस अपडेट नहीं था, ऐसे वाहन मालिक ट्रैफिक उल्लंघन करते थे। उनके खिलाफ किसी भी तरह की कोई चालानी कार्रवाई नहीं हो पाती थी। पुराने वाहन के मालिक एचएसआरपी लगवाने के समय अपने मोबाइल नंबर अपडेट करवाए हैं। इसके बाद ट्रैफिक उल्लंघन करने पर उन लोगों के खिलाफ चालानी कार्रवाई कर ऑनलाइन चालान भेजा जा रहा है। इस कारण से भी पुराने वाहन के मालिक अपने गाड़ियों में एचएसआरपी लगवाने उदासीन हैं।

एचएसआरपी नहीं लगवाने पर पांच से 10 हजार रुपए जुर्माना

एक अप्रैल 2019 के पूर्व की पुरानी गाड़ियां जिनमें अब तक एचएसआरपी नहीं लग पाया है, ऐसे वाहन मालिकों के खिलाफ परिवहन विभाग चालानी कार्रवाई कर उनके खिलाफ भारी भरकम जुर्माना वसूल सकता है। जुर्माने की राशि पांच से दस हजार रुपए तक है। हालांकि परिवहन विभाग ने अब तक किसी भी वाहन मालिक के खिलाफ चालानी कार्रवाई नहीं की है।

पुलिस अधिकारी से पांच लाख रुपए की ठगी

सिविल लाइंस थाना पुलिस कर रही जांच

रायपुर। विशेष शाखा में एक डीएसपी ने अपने एक परिचित के खिलाफ रकम दोगुना करने का झांसा देकर पांच लाख रुपए ठगी करने की शुक्रवार को सिविल लाइंस थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है। जालसाज ने एक दिन में रकम दोगुना कर देने का झांसा देकर अफसर से गुरुवार को रकम हासिल की थी। दूसरे दिन रकम नहीं मिलने पर अफसर को अपने साथ ठगी होने की जानकारी मिली। पूर्णदास अंचल ने नरेश दमोहे के खिलाफ ठगी करने की शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस को बताया कि नरेश के साथ उसकी पहले से पहचान थी। दोनों के बीच पूर्व में लेन-देन हो चुका है। इस बात का फायदा उठाते हुए नरेश ने पुलिस अफसर को अन्य जगहों में रकम निवेश कर रकम दोगुना करने का झांसा दिया। झांसे में आकर पुलिस अफसर ने अपने परिचित को कटोरा तालाब में पांच लाख रुपए लाकर दिया। रकम लेन-देन की दोनों के बीच किसी तरह से लिखा पढ़ी नहीं होने की बात सामने आई है।

प्रताड़ना, प्रापर्टी कब्जा करने से दुखी पूर्व विधायक के बेटे ने की थी खुदकुशी

मृतक की दूसरी पत्नी तथा उसके कथित प्रेमी के खिलाफ मृतक के पिता ने थाने में दर्ज कराई है शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मोवा, आदर्शनगर निवासी पूर्व विधायक तथा राज्यमंत्री धनीराम साहू के बेटे जया साहू के खुदकुशी प्रकरण में प्रताड़ना के साथ करोड़ों की प्रापर्टी कब्जा करने की बात सामने आई है। पूर्व विधायक ने अपने बेटे की खुदकुशी के लिए उसकी दूसरी पत्नी तथा एक अन्य को जिम्मेदार बताया है। उन्होंने इस संबंध में पंडरी थाने में शिकायत दर्ज कराई है। जया ने 25-26 अप्रैल की दरमियानी रात अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी की थी। पंडरी टीआई के मुताबिक जया के पिता ने उसकी दूसरी पत्नी तथा अनुज दुबे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

पुलिस जांच के बाद आगे कार्रवाई करने की बात कह रही

शिकायत में मृतक के पिता ने पुलिस को बताया है कि मृतक की दूसरी पत्नी ने जया की करोड़ों की संपत्ति अपने नाम करा ली थी। साथ ही उन्होंने अपने बेटे की दूसरी पत्नी पर प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं। पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक मृतक अपनी पहली पत्नी को छोड़कर एक अन्य महिला को पत्नी बनाकर उसके साथ रहता था। इस दौरान मृतक को अपनी दूसरी पत्नी का अनुज दुबे के साथ प्रेम संबंध होने की जानकारी मिली। इसके बाद दोनों के बीच इस बात को लेकर विवाद होता था। अनुज पेशे से ठेकेदारी का काम करता है।

पूर्व राज्यमंत्री के बेटे ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

हर पहलू की जांच की जा रही

जया साहू खुदकुशी प्रकरण की हर पहलू की जांच की जा रही है। खुदकुशी प्रकरण को लेकर परिजनों ने जो शिकायत दर्ज कराई है, उसकी भी जांच की जा रही है। जो तथ्य सामने आएंगे, उन तथ्यों के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

पूर्णिमा लांबा, एसीपी नार्थ जोन

करोड़ों की प्रापर्टी कब्जा करने का आरोप

धनीराम ने थाने में जो शिकायत दर्ज कराई है, उसके मुताबिक उसके बेटे के नाम पर करोड़ों की संपति है, जिसे उसकी दूसरी पत्नी ने अपने नाम ट्रांसफर करा लिया है। जया के पास एक जेसीबी मशीन भी थी, जिसे अनुज द्वारा अपने कब्जे में लेकर ठेकेदारी में इस्तेमाल करने की बात सामने आई है। इन सब बातों से परेशान होकर जया के खुदकुशी करने की बात सामने आई है।

जिन भाषाओं का चयन माध्यमिक कक्षाओं में, उन्हीं में आगे पढ़ाई कर सकेंगे विद्यार्थी

मध्य में विषय बदलने की आवश्यकता नहीं, पुराने भाषा संयोजन संग कर सकते हैं पढ़ाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने छात्रों को बड़ी राहत दी है। शिक्षा मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, वर्तमान में कक्षा 7वीं, 8वीं और 9वीं में पढ़ रहे वे छात्र जिन्होंने तीन-भाषा नीति के तहत दो विदेशी भाषाओं का चयन किया है, वे कक्षा 10 तक उसी भाषा संयोजन के साथ पढ़ाई जारी रख सकेंगे। उन्हें बीच में अपने विषय बदलने की आवश्यकता नहीं होगी। तीन-भाषा नीति के तहत कम से कम दो भारतीय भाषाएं पढ़ने की अनिवार्यता केवल आगे आने वाले छात्रों पर लागू होगी। यह व्यवस्था कक्षा 6वीं से भविष्य के बैचों के लिए लागू की जाएगी। पहले से कक्षा 7वीं, 8वीं और 9वीं में पढ़ रहे छात्रों पर इसे पिछली तारीख से लागू नहीं किया जाएगा। बोर्ड के अनुसार, यह फैसला किसी तरह की नीति में बदलाव या पीछे हटना नहीं है। उनके अनुसार, यह प्रावधान पहले भी मौजूद था, लेकिन इसे स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया था।

30 हजार विद्यार्थी ही चुनते हैं विदेशी भाषा

आंकड़ों के मुताबिक, हर साल लगभग 24 लाख छात्र सीबीएसई की 10वीं बोर्ड परीक्षा में शामिल होते हैं। इनमें से करीब 30 हजार छात्र ही दो विदेशी भाषाओं का विकल्प चुनते हैं। यानी लगभग 98.5 प्रतिशत छात्र पहले से ही तीन-भाषा फॉर्मूले का पालन कर रहे हैं। यह राहत मुख्य रूप से महानगरों और शहरी क्षेत्रों के उन छात्रों के लिए दी गई है, जिन्होंने पहले से दो विदेशी भाषाएं चुनी थीं। इसके अलावा छोटे और मंझोले स्तर के सीबीएसई स्कूलों को भी इस फैसले से राहत मिलेगी, क्योंकि तीन भाषाओं के अध्ययन के लिए उन्हें अतिरिक्त संसाधनों के साथ-साथ शिक्षकों की भी नियुक्ति करनी होगी।

मई के सर्कुलर के बाद शुरू हुआ था विवाद

गौरतलब है कि मई 2026 में सीबीएसई ने राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा के तहत एक सर्कुलर जारी किया था। इसमें कहा गया था कि 2026-27 सत्र से कक्षा 9 में प्रवेश लेने वाले छात्रों को तीन भाषाएं पढ़नी होंगी, जिनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं शामिल हों। इस फैसले के बाद कई छात्रों और अभिभावकों ने विरोध जताया था।

बिजनेस साइट

चलित नेत्र जांच यूनिट 'छत्तीसगढ़ दृष्टि एक्सप्रेस' का शुभारंभ, अब गांव-गांव पहुंचेगी नेत्र चिकित्सा

रायपुर। श्री गणेश विनायक आई हॉस्पिटल में श्री गणेश विनायक फाउंडेशन, एलआईसी रायपुर मंडल एवं एलआईसी गोल्डन जुबली फाउंडेशन के संयुक्त सहयोग से अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित मोबाइल नेत्र जांच यूनिट 'छत्तीसगढ़ दृष्टि एक्सप्रेस' का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एलआईसी सेंट्रल ज़ोन के जोनल मैनेजर धरम पाल रहे। फाउंडेशन के सचिव डॉ. चारुदत्त कलामकर ने कहा कि यह मोबाइल यूनिट दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले जरूरतमंद लोगों तक गुणवत्तापूर्ण नेत्र सेवाएं पहुंचाने का माध्यम बनेगी। वहीं, अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि आधुनिक उपकरणों से लैस यह वैन प्रदेश के गांवों में नियमित रूप से नेत्र परीक्षण एवं परामर्श सेवाएं प्रदान करेगी। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने रिबन काटकर एवं हरी झंडी दिखाकर 'छत्तीसगढ़ दृष्टि एक्सप्रेस' को रवाना किया। यह पहल 'अंधत्व मुक्त छत्तीसगढ़, रोशन छत्तीसगढ़' अभियान को नई गति देगी।

NAME CHANGE

It is informed to the General Public that I, RAMAN PUROHIT S/O. Late Hari Kishan lal Purohit resident of H. NO. 15/60, Jawahar Nagar Ward, Opp. Balaji Grains, Ramsagar Para, Raipur (C.G.) have changed my old name Raman Purohit S/o. Late Hari Kishan lal Purohit so in future I should be recognized by my new name that is RAMAN LAL PUROHIT S/o. Hari Kishan lal purohit in all Government and Other Documents.

RAMAN LAL PUROHIT
H. NO. 15/60, Jawahar Nagar Ward, Ramsagar Para, Raipur (C.G.) 492001

महिला चालकों को सौंपे गए 'जीके अल्ट्रा प्लस' ई-वाहन, लास्ट माइल कनेक्टिविटी को मिलेगी मजबूती

रायपुर। शहरी परिवहन को सुरक्षित, सुगम और पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में नवा रायपुर में जीके इलेक्ट्रिक के जीके अल्ट्रा प्लस इलेक्ट्रिक वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस पहल का उद्देश्य लास्ट माइल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने के साथ महिलाओं को व्यावसायिक परिवहन क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। कार्यक्रम में मंत्री ओपी चौधरी तथा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब मुख्य अतिथि रहे। इस दौरान विभागीय सचिव अंकित आनंद, एनआरडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी चंदन कुमार, रायपुर कलेक्टर गौरव कुमार सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ विश्वरंजन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कंपनी के डायरेक्टर अमर परवानी, पुनीत परवानी और सीओओ सुरेश दसारी ने प्रशिक्षित महिला चालकों को इलेक्ट्रिक वाहनों की चाबियां सौंपी। इससे पहले महिलाओं को 30 दिवसीय प्रशिक्षण देकर सुरक्षित ड्राइविंग, सड़क सुरक्षा और वाहन रखरखाव की जानकारी दी गई। कंपनी के अनुसार, जीके अल्ट्रा प्लस शहरी परिवहन की जरूरतों के अनुरूप विकसित किया गया है और यह हरित एवं टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन को नई दिशा देगा।

पेज 11 के शेष

नहीं पटा ढाई लाख का बिल...

इसकी शिकायत कालेज प्रबंधन से की। पतासाजी करने पर बात सामने आई कि इस अस्थायी हास्टल का बिजली बिल जो करीबन ढाई लाख रुपए है, पटाया नहीं गया है। बड़ी रकम की पेंडेंसी को देखते हुए विद्युत विभाग की टीम ने सक्रियता दिखाते हुए हास्टल की विद्युत लाइन ही काट दी। उमस भरी गर्मी में दिन और रात गुजारना चिकित्सा छात्रों को भारी पड़ रहा है। इसके अलावा बिजली नहीं होने की वजह से वहां पानी का संकट भी हो गया है, जो यूजी छात्रों की परेशानी को दोगुना करता रहा है।

रेल नियमों की धज्जियां, महिला...

ट्रेनों या रेलवे स्टेशनों पर गुटखा या तंबाकू उत्पाद बेचना पूरी तरह से गैरकानूनी है। ऐसा करने वालों पर 2000 रुपये का जुर्माना तय किया गया है, लेकिन ट्रेन से लेकर प्लेटफार्म तक अवैध वेंडिंग के जरिए बेखौफ गुटखा बेचा जा रहा है। इसके अलावा, महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने महिला आरक्षित डिब्बे में किसी पुरुष के प्रवेश पर 2500 रुपये का भारी जुर्माना और उसे तुरंत वहां से हटाकर कार्रवाई करने का नियम बनाया है। लेकिन रायपुर से गुजरने वाली ट्रेनों के महिला कोच पर पुरुषों का ही कब्जा है। भीड़ होने के बावजूद नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई करने वाला कोई नहीं है। रेलवे ने नए नियमों के तहत महिला कोच में पुरुषों की एंट्री को पूरी तरह बंद कर दिया है और जुर्माना भी दोगुना कर दिया है। लेकिन रायपुर में ट्रेनों में स्थिति अब भी नहीं बदली है। 90 प्रतिशत महिलाओं की सीट पर पुरुष लंबी यात्रा कर रहे हैं। हरिभूमि की पड़ताल में चार से अधिक ट्रेनों के महिला कोच में सिर्फ पुरुष ही नजर आए, लेकिन कोई उन्हें हटाने या उन पर कार्रवाई करने नहीं आया। इस वजह से महिला यात्री परेशान रहीं और उन्हें कोच में खड़े होकर सफर करना पड़ा। रेलवे स्टेशन पर अवैध वेंडिंग काफी बढ़ गई है। प्लेटफार्म से लेकर ट्रेन के भीतर तक खाने-पीने व अन्य चीजें अवैध तरीके से बेची जा रही हैं। आरपीएफ और रेलवे प्रशासन की टीम समय-समय पर कार्रवाई तो करती है, लेकिन इसका असर एक ही दिन में खत्म हो जाता है। कार्रवाई में सख्ती न होने के कारण सिस्टम बिल्कुल ढीला पड़ चुका है।

मानसून 'निर्जल' आने के चार दिन...

किसानों के साथ समूचा जन सामान्य जोरदार बारिश की बाट जोह रहा है। प्रदेश में बारिश सीजनल द्रोणिका के भरोसे है, जो राजस्थान से उड़ीसा तक उत्तर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ होते हुए मध्य समुद्र तल पर स्थित है। इसके अलावा एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी और उससे लगे म्यांमार के ऊपर 3.1 किलोमीटर से 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। यह आने वाले दिनों में जमीनी सतह की ओर आकर सक्रिय होता है, तब यह अच्छी बारिश का कारण बन सकता है। यह सिस्टम अगर काम के लायक नहीं हुआ तो फिर काफी दिनों तक इंतजार करना पड़ेगा। बारिश नहीं होने की वजह से जून का महीना सूखे के साथ बीत रहा है। वैसे तो समस्या प्रदेश के हर जिले में बनी हुई है, मगर मोहला-मानपुर में अब तक केवल 9 मिमी. बारिश हुई है जो सामान्य 138.3 मिमी. से 94.4 प्रतिशत कम है।

अब तक की बारिश...

शहर	औसत	वास्तविक	अंतर
रायपुर	32.5	125.5	-74
बिलासपुर	12.5	121.3	-90
दुर्ग	46.9	158.1	-70
राजनांदगांव	16.6	146.5	-89
जगदलपुर	102.4	191.4	-47
अंबिकापुर	40.5	163.7	-75

आशियाना बनाने का सपना दिखाकर...

वर्तमान में भाठागांव स्थित साईं विला कॉलोनी में रहती हैं। उन्होंने साल 2021 में सड्डू स्थित अविनाश कैपिटल्स होम्स-2 में 1,489 वर्गफीट का प्लॉट खरीदा था। 16 मार्च 2023 को मकान निर्माण के लिए यूके कॉन्सेप्ट डिजाइनर के संचालक मोहित सोलंकी के साथ अनुबंध किया। अनुबंध के मुताबिक, 22 मई 2024 तक मकान का निर्माण पूरा कर महिला डॉक्टर को सौंपना था। बिल्डर पिता पुत्र ने पूरी रकम लेने के बाद मकान का ढांचा खड़ा कर काम बंद कर दिया। संपर्क करने पर जल्द काम पूरा करने की बात कह कर महिला डॉक्टर को गुमराह करने लगे। इसके बाद दोनों पिता-पुत्र ने अपने मोबाइल बंद कर दिए।

खबर संक्षेप

इमाम हुसैन की याद में आमजनों को पिलाया शर्बत

रायपुर। माहे मोहर्रम के दौरान इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की शाहदत के अवसर पर दावते इस्लामी के डिपार्टमेंट 'जीएनआरएफ' द्वारा शहर के अलग-अलग हिस्सों में आमजनों, यात्रियों और राहगीरों को ठंडा शर्बत पिलाया गया। साथ ही गरीब नवाज रिलीफ फाउण्डेशन के खिदमतगार शहजाद अत्तारी ने बताया कि पूरे भारत में ठंडा पानी आम जनता को रोजाना पिलाया जा रहा है, मोहर्रम के अवसर पर आज शास्त्री बाजार में भी हज़रत मुबारकपुर अशर्फियां के मुक्ती बदरे आलम साहब ने तशरीफ लाकर आमजनों को शर्बत पिलाया और मुल्क की तरक्की की दुआ की। इस अवसर पर शहजाद अत्तारी, कासिम अत्तारी, अजहर अत्तारी, हाजी शाहिद अत्तारी, मौलाना नशबुलेन, मौलाना अफजल सहित जीएनआरएफ के सभी पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

चोरी का सामान खरीदने के आरोप में तीन गिरफ्तार

रायपुर। उरला पुलिस ने चोरी तथा चोरी के सामान खरीदने के आरोप में तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से ई-रिक्शा की 10 हजार रुपए कीमत की दो बैटरियां जब्त की हैं। राजू सोनी की शिकायत पर पुलिस ने राय सिंह उर्फ प्रकाश, दीपक उर्फ दीपू दास तथा किशुन उर्फ किशन को गिरफ्तार किया है। राजू ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि बुधवार को वह अपनी ई-रिक्शा भनपुरी, टिंबर मार्केट के पास रात में पार्क किया था। दूसरे दिन ई-रिक्शा में लगी दोनों बैटरी चोरी हो गई थी।

आपसी रंजिश पर चाकू से हमला, दो गिरफ्तार

रायपुर। आपसी रंजिश के कारण युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने के आरोप में डीडीनगर पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। भावेश जगत की शिकायत पर पुलिस ने सावन उर्फ मुन्ना यादव तथा राज उर्फ अमन यादव को गिरफ्तार किया है। पीड़ित ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि बुधवार को वह अपने छोटे भाई के साथ दोपहिया में पेट्रोल डलवाने गया था। उसका छोटा भाई पेट्रोल पंप में दोपहिया में पेट्रोल भरवा रहा था और वो पंप के बाहर खड़ा था। इस दौरान सावन और उसका साथी मौके पर पहुंचे और आपसी रंजिश के चलते युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर मौके से फरार हो गए।

मोपेड से 102 पौवा शराब जब्त

रायपुर। खमतराई थाने की पुलिस ने मोपेड से 102 पौवा गोल्डन गोवा शराब परिवहन कर ले जाते गिरफ्तार किया है। शराब तस्करी करने के आरोप में पुलिस ने जितेंद्र निषाद को गिरफ्तार किया है। युवक को पुलिस ने ग्रेट इंडिया रोडवेज के सामने मेटल पार्क रावांभाठा के पास टीवीएस जूपिटर वाहन में शराब परिवहन कर ले जाते पकड़ा है।

फिजियोथैरेपी कालेजों में फैकल्टी की भर्ती, अंतरिम सूची में एकमात्र प्राध्यापक, जरूरत 9 की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश में खुलने वाले नए शासकीय फिजियोथैरेपी कालेज में फैकल्टी की भर्ती के लिए अंतरिम मेरिट सूची जारी की गई है। इसमें प्राध्यापक और सह प्राध्यापक के 1-1 नाम शामिल हैं, जबकि आवश्यकता 9 और 18 की है। प्रदर्शक पद के लिए ही प्रावीण्य सूची में पर्याप्त नाम शामिल है। इसके 144 के लिए 306 अभ्यर्थी योग्य हैं, वहीं असिस्टेंट प्रोफेसर के 27 पदों के लिए 85 को योग्य पाया गया है। राज्य में 9 शासकीय फिजियोथैरेपी कालेज को शुरू करने के लिए मानव संसाधन की व्यवस्था संविदा आधार पर की जा रही है। दो साल की संविदा नियुक्ति के लिए आवेदन मंगाए जा रहे हैं, जिसकी अंतिम तारीख 29 जून रखी गई है। इस बीच चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा इस भर्ती के लिए योग्य उम्मीदवारों की अंतरिम सूची जारी की गई है। सूची में सर्वाधिक नाम ट्यूटर पदों के लिए है, इनमें 9 कालेजों में 144 ट्यूटरों की नियुक्ति की जाएगी। इसी तरह सहायक प्राध्यापक के 27 पदों के लिए 85 अभ्यर्थी आवेदन करने योग्य पाए गए हैं। चिंता का विषय प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर के पद हो सकते हैं। नए कालेजों में एक-एक के हिसाब से नौ प्राध्यापकों की भर्ती की जानी है, वहीं दो-दो के हिसाब से कालेजों में 18 एसोसिएट प्रोफेसर की जरूरत है। जारी अंतरिम प्रावीण्य सूची में दोनों पदों के लिए 1-1 अभ्यर्थी के नाम शामिल हैं।

सह प्राध्यापक भी केवल एक, आवश्यकता है 18 लोगों की

खास खबर

जुलाई में पूरा करना है प्रवेश

फिजियोथैरेपी कालेज में प्रवेश की प्रक्रिया जुलाई अंतिम तक पूरी की जानी है। शिक्षकों की भर्ती पूरी होने के बाद इन कालेजों की मान्यता दिलाकर यहां बीपीटी पाठ्यक्रम में भर्ती की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। वर्तमान में राज्य में एकमात्र शासकीय फिजियोथैरेपी कालेज हैं बीपीटी की करीब सौ सीट हैं। नये कालेजों खुलने के बाद इनकी संख्या में भी इजाफा हो जाएगा। माना जा रहा है कि बदलते समय के साथ फिजियोथैरेपिस्ट की आवश्यकता शासकीय के साथ निजी सेक्टरों को भी इनकी डिमांड काफी है।

इन स्थानों पर खुलना है कालेज

शासकीय फिजियोथैरेपी के नौ नए कालेज नवा रायपुर के अलावा बलरामपुर, बैकुंठपुर, बीजापुर, दंतेवाड़ा, जांजगीर चांपा, जशपुर, कुरूद-धमतरी, एवं पुसौर-रायगढ़ में खोला जाना है। इस कालेज को मिलाकर रायपुर में दो शासकीय कालेज हो जाएंगे। इसके अलावा ग्रामीण इलाकों में इश शिक्षण संस्थान की मौजूदगी से वहां के लोग भी फिजियोथैरेपी की पढ़ाई में पारंगत होंगे जिससे रोजगार के अवसर खुलेंगे। माना जा रहा है कि हास्पिटलों के अलावा अब प्रायवेट सेक्टर में भी इनकी आवश्यकता महसूस हो सकती है।

रात के समय टाइगर रिजर्व में भारी वाहनों में आवाजाही से रोक लगाने पर वन्यजीवों की हलचल बढ़ी

सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले से यूएसटीआर की फिजा बदली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सात माह पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण सुनवाई के दौरान टाइगर रिजर्व में शाम ढलने के बाद भारी वाहन की आवाजाही पर रोक लगाने के आदेश दिया, जिसका सबसे ज्यादा सकारात्मक परिणाम उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में देखने को मिला है। टाइगर रिजर्व के जिस हाईवे पर देर रात भारी वाहन के शोर सुनाई देते थे, उस मार्ग पर अब बाघ की दहाड़ सुनाई देने के साथ अन्य प्रजाति के वन्यजीवों की गुर्राने की आवाज सुनाई देती है। इसके साथ ही रात में उड़ने वाली पक्षियों की चहचहाट सुनाई देती है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व की फिजा पूरी तरह से बदल गई है।

- दिन ढलने के बाद जंगल में होता है सवेरा

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के पूर्व टाइगर रिजर्व के दोनों कोर क्षेत्रों से होकर गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-130सी और एनएच-130सीसी, रातभर वाहनों की आवाजाही से गुलजार रहते थे। तेज रोशनी, इंजन का शोर और लगातार मानवीय गतिविधियां वन्यजीवों के लिए एक अदृश्य दीवार बन गई थीं। यूएसटीआर के डिप्टी डायरेक्टर वरुण जैन के अनुसार नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने टीएन गोदावर्मन मामले में देशभर के टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्रों में रात के समय यातायात पर रोक लगाने का आदेश दिया। इसके बाद एनटीसीए ने दिसंबर 2025 में राज्यों को इसे लागू करने के निर्देश दिए।

जंगल पुनः खिल उठा

विभागीय अफसरों के अनुसार, सबसे पहले बदलाव उन जीवों में दिखाई दिया, जो शायद ही कभी सुर्खियों में आते हैं। भारतीय विशाल उड़न गिलहरी (पेटॉरिस्टा फिलिपेन्सिस) और मालाबार विशाल गिलहरी राटूफा इंडिका लगभग पूरा जीवन पेड़ों की छत्रछाया में बिताती हैं। उड़न गिलहरी शायद ही कभी जमीन पर उतरती है। यदि जंगल के बीच सड़क बन जाए या लगातार मानवीय हस्तक्षेप रहे, तो उनके लिए वह सड़क केवल डामर की पट्टी नहीं, बल्कि एक पारिस्थितिक अवरोध बन जाती है। अफसरों के अनुसार अब इन प्रजातियों की उपस्थिति केवल उदंती और सीतानदी कोर तक सीमित नहीं है। इनके रिकॉर्ड रिसगांव, इंदागांव, अर्सीकान्हार और कुल्हाड़ीघाट जैसे क्षेत्रों में भी मिलने लगे हैं।

जंगल की सेहत सुधरने लगी

यूएसटीआर में हाल के महीनों में मालाबार पाइड हॉर्नबिल पक्षियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। हॉर्नबिल केवल एक आकर्षक पक्षी नहीं है। इसे उष्णकटिबंधीय जंगलों का सबसे महत्वपूर्ण बीज-वितरक माना जाता है। यह फल खाकर कई किलोमीटर दूर तक बीज फैलाता है, जिससे जंगलों का प्राकृतिक पुनर्जनन होता है और वनस्पतियों की आनुवंशिक विविधता बनी रहती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि हॉर्नबिल और विशाल गिलहरियों जैसे जीवों की बढ़ती मौजूदगी इस बात का संकेत हो सकती है कि जंगल की संरचना और पारिस्थितिक प्रक्रियाएं धीरे-धीरे बेहतर हो रही हैं।

बाघों की आवाजाही का सुरक्षित कॉरिडोर बना

यूएसटीआर टाइगर रिजर्व होने तक सीमित नहीं है। यह इंद्रावती टाइगर रिजर्व, महाराष्ट्र के गढ़चिरौली के जंगलों और ओडिशा के सुनाबेड़ा वन्यजीव अभयारण्य के बीच एक महत्वपूर्ण कॉरिडोर है। बाघों के लिए ऐसे गलियारे अत्यंत आवश्यक हैं। इन्हीं के माध्यम से युवा बाघ नए क्षेत्रों में पहुंचते हैं। जनवरी 2026 में सीतानदी कोर क्षेत्र में बाघ की आवाजाही दर्ज की गई। प्रारंभिक अवलोकनों से यह भी संकेत मिले हैं कि जिन इलाकों में लगभग पंद्रह वर्षों से बाघों की उपस्थिति दर्ज नहीं हुई थी, वहां फिर से उनकी गतिविधियां दिखाई दे रही हैं।

पोलियो से बचाने 3.45 लाख से अधिक बच्चों को दवा पिलाने का अभियान कल से

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पोलियो मुक्त भारत बनाए रखने के लिए दवा पिलाने चलाए जाने वाले अभियान के दौरान रविवार 28 जून को जिले के 3.45 लाख से अधिक बच्चों को दवा पिलाई जाएगी। इसके अलावा बनाए गए सेंटरों तक नहीं पहुंचने वाले बच्चों को दवा देने 29-30 को स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर पहुंचेगी। इसके लिए जिले के समस्त ग्रामों एवं वार्डों में कुल 1381 पोलियो बूथ बनाए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार भारत पोलियो मुक्त है, लेकिन पड़ोसी देशों में अभी भी इस वायरस से ग्रसित बच्चे पाए गए हैं। इससे देश में पोलियो संक्रमण का खतरा बना हुआ है। इससे बचाव के लिए 0 से 5 वर्ष के बच्चों को प्रतिरक्षित करने के लिए दवा पिलाने अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले के समस्त ग्रामों एवं वार्डों में कुल 1381 पोलियो बूथ बनाए जाएंगे। प्रत्येक बूथ पर 4 टीकाकर्मी दो टीमों में बंटकर बच्चों को दवा पिलाएंगे। बूथों की मॉनिटरिंग के लिए प्रत्येक 5 बूथ पर एक सुपरवाइजर की ड्यूटी लगाई गई है। यदि कोई बच्चा 28 जून को बूथ पर दवा पीने से छूट जाता है तो 29 एवं 30 जून को घर-घर भ्रमण कर ऐसे बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई जाएगी। पूरे अभियान की निगरानी एवं मॉनिटरिंग जिला मुख्यालय के अधिकारी व कर्मचारी करेंगे। रायपुर जिले में 3,45,373 बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित है। अभियान की सभी आवश्यक तैयारियां जैसे पोलियो मार्कर पेन, बैनर, पोस्टर, होर्डिंग, प्रशिक्षण, ओरल पोलियो वैक्सीन की उपलब्धता जिले के सभी विकासखण्डों एवं शहरी क्षेत्र में पूरी कर ली गई है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी के निर्देशन में यह अभियान का संचालन किया जा रहा है। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. श्वेता सोनवानी ने बताया कि राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, मितानिन, महिला आरोग्य समिति का सहयोग लिया जा रहा है।

- 28 को बूथ, 29-30 जून को घर-घर पिलाई जाएगी खुराक

मार्च अंत तक लेनी होगी बोर्ड सहित सभी कक्षाओं की परीक्षाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सभी जिला शिक्षा अधिकारी और शिक्षा संभाग के संयुक्त संचालक अब एक अप्रैल से सत्र प्रारंभ करने की तैयारी करेंगे। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा इस संदर्भ में आदेश जारी किया गया है। नवीन सत्र एक अप्रैल से प्रारंभ होने की स्थिति में मार्च अंत तक सभी परीक्षाएं संपन्न करानी होगी। इन परीक्षाओं के आयोजन के लिए कार्ययोजना बनाई जाएगी। सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और संयुक्त संचालकों से इस दिशा में जुलाई अंत तक रोडमैप तैयार करना होगा। सूत्रों के अनुसार, विभिन्न जिलों से प्राप्त रोडमैप के आधार पर प्रदेशस्तरीय योजनाएं तैयार की जाएंगी।

- लोक शिक्षण संचालनालय ने जारी किए दिशा-निर्देश
- जुलाई अंत तक जिला शिक्षा अधिकारियों को बतानी होगी कार्ययोजना

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा दसवीं-बारहवीं की परीक्षाएं मार्च माह में आयोजित की जाती है। इनकी समाप्ति के बाद स्कूल होम बोर्ड की परीक्षाएं लेते हैं। अब विद्यालयों को बोर्ड कक्षाओं के साथ ही होम बोर्ड की परीक्षाएं लेनी होंगी अथवा इसके पूर्व आयोजन करना होगा। परीक्षा तिथि संबंधित अन्य विकल्पों पर विचार करने के बाद कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

समीक्षा बैठक में निर्णय

गौरतलब है कि बीते दिनों शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की थी। बैठक में अगले वर्ष से नवीन शैक्षणिक सत्र की शुरुआत एक अप्रैल से करने निर्णय लिया गया था। अब इसे लागू करने रोड मैप बनाया जा रहा है। स्कूलों में न्यूनतम 220 दिनों की कक्षाएं संचालित किए जाने का नियम है। छुट्टियों की अधिकता के कारण सामान्यतः 190-195 दिन ही कक्षाएं संचालित हो पाती हैं। छुट्टियां कम करने निजी स्कूलों द्वारा कई बार मांग भी की जा चुकी है। अप्रैल माह से कक्षाओं के संचालन की स्थिति में निर्धारित दिनों तक कक्षाएं संचालित की जा सकेंगी।

2 साल का टारगेट पूरा, 185 निजी कुंओं का निर्माण

सब्जी सहित अन्य फसल उत्पादन में ग्रामीणों को मिल रहा पर्याप्त पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले दो साल में 185 निजी कुंओं का निर्माण हुआ है। इन कुंओं का निर्माण महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत जल संरक्षण और ग्रामीण परिवारों की आजीविका को सशक्त बनाने के उद्देश्य से किया गया है। कुंओं के निर्माण से ग्रामीण परिवारों को सब्जी सहित अन्य फसल उत्पादन के लिए अब पर्याप्त पानी भी मिलने लगा है। विभागीय अधिकारी के अनुसार विभाग में निजी कुंओं के निर्माण के लिए आवेदन आए थे। इन आवेदनों में स्वीकृत किए गए सभी हितग्राहियों के यहां निजी कुंए बना लिए गए हैं। इस तरह मनरेगा ने दो साल में स्वीकृत निजी कुंओं के निर्माण कार्य का टारगेट भी पूरा कर लिया है।

- हितग्राहियों के आवेदन पर मनरेगा के तहत कराया गया कुंओं का निर्माण

स्वीकृति के अनुसार टारगेट पूरा

जितने आवेदनों को स्वीकृति मिली थी, उसके अनुसार टारगेट पूरा कर लिया गया है। निजी कुंओं के निर्माण से अब प्रत्येक हितग्राही का परिवार सब्जी, बाड़ी सहित अन्य फसल भी तैयार कर पाएगा। कुंओं के निर्माण से जल संरक्षण भी हो रहा है।

***रोशनी तिवारी,** जिला कार्यक्रम अधिकारी, मनरेगा रायपुर*

सिंचाई के लिए पानी की किल्लत दूर करने निजी कुंओं का निर्माण

ग्रामीण क्षेत्रों में खासकर गर्मी के मौसम में सब्जी, बाड़ी सहित अन्य फसलों के उत्पादन में सबसे बड़ी समस्या पानी की रहती है। पानी नहीं होने से ग्रामीण फसल उत्पादन नहीं कर पाते। ऐसे ही हितग्राहियों के लिए मनरेगा के अंतर्गत एक योजना चलाई जा रही है, जिसमें हितग्राहियों के आवेदन पर निःशुल्क निजी कुंओं का निर्माण किया जा रहा है। कुंए के निर्माण कार्य में जितनी राशि खर्च होती है, वह विभाग द्वारा जारी की जाती है।

ढाई से तीन लाख रुपए तक खर्च

एक कुंए के निर्माण की लागत ढाई से तीन लाख के करीब है। प्रशासकीय स्वीकृति मिलने के बाद ही इसका निर्माण कार्य शुरू किया जाता है। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार निर्माण कार्य में लगने वाले श्रमिकों की संख्या, मजदूरी सहित अन्य इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री के खर्च का पूरा ब्योरा हितग्राही को पक्के बिलों के साथ देना पड़ता है। इन बिलों के आधार पर ही हितग्राही को स्वीकृत राशि जारी की जाती है।

बारिश सीजन खत्म होने के बाद नए आवेदनों को स्वीकृति

बारिश का सीजन शुरू हो गया है, इसलिए अब नए आवेदन लेना विभाग ने बंद कर दिया है। बारिश का सीजन खत्म होने के बाद ही अब नए आवेदन लिए जाएंगे। इन आवेदनों में पात्र एवं जरूरतमंद हितग्राहियों को ही नए कुंए निर्माण कार्य की स्वीकृति दी जाएगी।

ग्रामीणों द्वारा 15 हेक्टेयर से ज्यादा जमीन बेजा कब्जा करने का आरोप

विधायक कालोनी बनाने जमीन खाली कराने के विरोध में सड़क पर उतरे नकटी के ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नकटी गांव में विधायक कालोनी बनाने अतिक्रमण हटाने के विरोध में ग्रामीण शुक्रवार को विरोध करते हुए धरने पर बैठ गए हैं। स्थिति को देखते हुए माना पुलिस के साथ राखी, मंदिर हसौद, अभनपुर थाना के साथ अन्य ग्रामीण थाना क्षेत्र के भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। 77 परिवारों को जमीन खाली कराने नोटिस जारी किया गया है। आरोप है की ग्रामीणों ने 15.4790 हेक्टेयर जमीन अतिक्रमण कर लिया है। इसके पूर्व भी जमीन खाली कराने ग्रामीणों को नोटिस जारी कर समय दिया गया था, उस समय भी ग्रामीणों ने विरोध किया था।

अब की बार जो नोटिस जारी किया गया है, उसमें ग्रामीणों को नोटिस तामिल होने के 48 घंटे के भीतर जमीन खाली करने कहा गया है।

ग्रामीण अपनी जमीन पर प्रस्तावित विधायक कॉलोनी के निर्माण का विरोध कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह जमीन उनके पूर्वजों की है, जहां 80 के करीब परिवार रह रहे हैं। वे इस भूमि को किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ना चाहते। वहीं, इसी स्थान पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लगभग 20 मकान पहले से ही बने हैं। जमीन खाली करने की नोटिस मिलने के बाद ग्रामीण बेहद गुस्से में है। ग्रामीणों का कहना है कि नवा रायपुर में अब भी सैकड़ों हेक्टेयर जमीन खाली है, जिसकी कोई उपयोगिता नहीं है। ऐसे में ग्रामीण नवा रायपुर के अन्य खाली पड़े जमीन पर विधायक कालोनी बनाने की बात कह रहे हैं।

गांव में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने गांव में भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। मौके पर पुलिस के आला अधिकारी भी पहुंचे हुए हैं और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं। राजस्व विभाग की टीम शनिवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करेगी। ऐसे में स्थिति और तनावपूर्ण हो सकती है। इस बात को ध्यान में रखते हुए गांव में पुलिस बल की व्यवस्था की गई है। ग्रामीण जगह खाली नहीं करने अपनी जिद पर अड़े हुए हैं।

लघुशंका करने रुके युवक के साथ लूट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पेशे से पेंटर ने टेमरी के कच्चे रास्ते में दो एक्टिवा सवार लड़कों के खिलाफ कान से सोने की बाली, मोबाइल तथा बाइक लूट की रिपोर्ट दर्ज कराई है। घटना 21 जून को तड़के चार बजे की है। जिस युवक के साथ लूट हुई है, वह लघुशंका करने के लिए रुका था। इस दौरान बदमाशों ने उसके साथ लूट की। घटना के पांच दिन बाद युवक शिकायत दर्ज कराने थाना पहुंचा।

- युवक की कान की बाली, मोबाइल, बाइक लूटकर हुए फरार
- घटना के पांच दिन बाद युवक माना थाना में रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंचा

टेमरी निवासी पिलेश्वर साहू ने लूट की शिकायत दर्ज कराई है। उसने पुलिस को बताया कि घटना दिनांक के एक दिन पूर्व वो रायपुर में पेंटिंग करने के लिए आया था। रात को अपने घर लौट रहा था। इस दौरान टेमरी में यादव होटल के पास कच्चे रास्ते में वो अपनी बाइक रोक कर लघुशंका करने लगा। इस दौरान एक्टिवा सवार दो लड़के उसके करीब पहुंचे और उसके कान से सात हजार रुपए कीमत की सोने की बाली, जेब से मोबाइल के साथ दोपहिया लूट कर मौके से फरार हो गए।

हरिभूमि

रायपुर, शनिवार 27 जून 2026

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

मुहर्रम पर निकले ताजिए, पर नजर ....

एजुकेशन अलर्ट

एकलव्य विद्यालयों में कक्षा 6वीं प्रवेश के लिए ऑनलाइन काउंसिलिंग 30 जून से

रायपुर। जिले में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु ऑनलाइन काउंसलिंग की तिथियां घोषित कर दी गई हैं। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति नई दिल्ली तथा छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय आदिम जाति कल्याण एवं आश्रम शैक्षणिक संस्थान समिति के निर्देशानुसार प्रवेश प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संपन्न कराई जाएगी। जिले में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया को पारदर्शी, व्यवस्थित एवं त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया तैयार की गई है। प्रवेश प्रक्रिया के तहत अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन काउंसलिंग की व्यवस्था वेब पोर्टल eklavya.cg.nic.in पर की गई है। जारी कार्यक्रम के अनुसार विकासखंड स्तर की काउंसलिंग 30 जून एवं 1 जुलाई 2026 को आयोजित होगी। इसके बाद जिला स्तरीय काउंसलिंग 2 जुलाई, राज्य स्तरीय काउंसलिंग 3 जुलाई तथा विशेष पिछड़ी जनजाति समूह एवं प्रवेश दिशा-निर्देशों में वर्णित विशेष आरक्षित वर्ग के विद्यार्थियों के लिए काउंसलिंग 4 जुलाई 2026 को आयोजित की जाएगी। वहीं 6 जुलाई 2026 को आरक्षित दिवस (रिजर्व डे) रखा गया है।

रिजर्व डे में अवसर दिया जाएगा

सभी स्तरों की काउंसलिंग का आयोजन पीएम श्री एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, पोड़ीडीह, विकासखंड खड़गवां, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में किया जाएगा। काउंसलिंग प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक संचालित होगी। आदिवासी विकास विभाग ने स्पष्ट किया है कि जो अभ्यर्थी 30 जून से 4 जुलाई 2026 तक आयोजित निर्धारित काउंसलिंग में किसी कारणवश शामिल नहीं हो पाएंगे, उन्हें 6 जुलाई 2026 को आयोजित रिजर्व डे में अवसर प्रदान किया जाएगा। विभाग ने अभ्यर्थियों एवं उनके अभिभावकों से निर्धारित तिथियों पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर काउंसलिंग प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है। प्रवेश प्रक्रिया एवं अन्य विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाइट तथा जिला प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट **https://manendragarh-chirmiri-bharatpur.cg.gov.in/en/notice_category/recruitment/** एवं जिला कार्यालय आदिवासी विकास विभाग जिला एमसीबी से पर प्राप्त कर सकते हैं।

गूंज, बढ़व संगवारी और अनमोल फाउंडेशन की अनोखी पहल, बेटियों को मिलेगी 12 हजार तक की स्कॉलरशिप

स्कूलों में पेड़ लगाने वाले माता-पिता के बच्चों का पूरा खर्च उठा रहीं संस्थाएं, स्कूल से लेकर पीजी तक का खर्च कर रहे वहन

> शहर की समाजिक संस्थाएं गरीब परिवारों के बच्चों को शिक्षा उपलब्ध कराने का अनोखा प्रयास कर रही हैं। स्कूलों में पेड़-पौधे लगाने, स्वच्छता लाने में श्रमदान करने के बदले उन माता-पिता के बच्चों को स्कूल बैग, ड्रेस, कॉपी, किताबें और आर्थिक मदद पहुंचाई जा रही है। इससे अब उन गरीब बच्चों की शिक्षा पाने का सपना आर्थिक तंगी के चलते अधूरा नहीं रहेगा।

रायपुर। सामाजिक संस्था गूंज फाउंडेशन के स्टेड हेड प्रहलाद पटेल ने बताया कि उनकी संस्था छत्तीसगढ़ के दूरस्थ अंचलों के स्कूलों तक पहुंचकर वहां पढ़ने वाले बच्चों को स्कूल बैग, जूते और ड्रेस उपलब्ध करा रही है। इसके बदले बच्चों के परिजनों को स्कूल में पेड़-पौधे लगाने, परिसर में स्वच्छता के लिए श्रमदान करने प्रेरित किया जाता है। वहीं बढ़व संगवारी सामाजिक संस्था की सदस्य डॉ. मीरा बघेल का कहना है कि उनकी संस्था प्रदेश के सरकारी स्कूलों में गरीब परिवार के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं की पहचान कर उनकी पढ़ाई-लिखाई का पूरा खर्च उठा रही है। इसी तरह अनमोल फाउंडेशन सामाजिक संस्था के प्रमुख संजय शर्मा ने बताया कि शहर में अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर की सामाजिक संस्थाएं गरीब परिवार के बच्चों के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने हर संभव मदद करने आगे आई हैं। ये सामाजिक संस्थाएं गरीब परिवार के बच्चों के अलावा बेटियों के शिक्षा और ट्रक चालकों, मोटर मैकेनिकों के बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का खर्च उठाने में सहयोग कर रही हैं।

3000 से अधिक बच्चों को अब तक पहुंचाई मदद

गूंज सामाजिक संस्था के मुताबिक, अब तक प्रदेशभर में 3000 से अधिक बच्चों व उनके परिजनों से सीधे जुड़कर उन्हें स्टेशनरी सामान का सहयोग पहुंचाने का कार्य कर चुकी है। वहीं इस नए शैक्षणिक सत्र में भी 5000 से अधिक बच्चों व उनके परिजनों से जुड़कर शिक्षा के लिए सहायोग व प्रेरित करने का कार्य शुरू कर दिया है। वर्तमान में उनकी संस्था की टीम कवर्धा, महासमुंद, सरायपाली, बलौदाबाजार क्षेत्र के स्कूलों में सेवा-सहयोग कार्य में जुट गई है।

आर्थिक तंगी की बाधा कर रहे दूर

सामाजिक संस्थान बढ़व संगवारी की कार्यकारिणी सदस्यों का कहना है कि उनकी संस्था पिछले 9 वर्षों से गांव-शहर के सरकारी स्कूलों में जाकर आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं की पहचान कर रही है और उनकी पढ़ाई-लिखाई में आने वाले आर्थिक तंगी की बाधा को दूर कर रही हैं। संस्थाएं स्कूल से लेकर पोस्ट ग्रेजुएशन तक के छात्र-छात्राओं का खर्च वहन कर रही है। अब तब 150 से अधिक बच्चों का भविष्य संवार चुके हैं।

बेटियों के लिए 12000 रुपए तक की छात्रावृत्ति

अनमोल फाउंडेशन सामाजिक संस्था के प्रमुख संजय शर्मा ने बताया कि शहर में एजुकेटेड गर्ल्स नामक सामाजिक संस्था है, जो पूरे प्रदेशभर में बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कराने का प्रयास कर रही है। यह संस्था इस नए सत्र से स्कूलों से लेकर कॉलेज तक छात्राओं को उनकी पढ़ाई-लिखाई के लिए 12000 रुपए तक की छात्रावृत्ति प्रदान करेगी। वहीं एक सामाजिक संस्था ट्रक चालकों, मोटर मैकेनिकों के बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का खर्च उठाने में सहयोग करने की पहल कर रही है।

सिटी इवेंट

शोधार्थियों को साइबर सुरक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में नवाचार के लिए किया मोटिवेट

रायपुर। एनआईटी में ब्रेकिंग एंड सिक्योरिंग एआई : एडवर्सेरियल अटैक्स, डीपफेक्स एंड हेल्थकेयर सिस्टम्स कार्यशाला का समापन हुआ। यह पांच दिवसीय कार्यशाला संस्थान के कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित किया गया। शुक्रवार को समापन समारोह में सनी पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट अमेरिका से डॉ. जाहिद अख्तर, नेशनल सन यात-सेन यूनिवर्सिटी ताइवान से डॉ. अरिजीत कराती तथा एनआईटी रायपुर के डॉ. एनके नागवानी एवं डॉ. प्रीति चंद्राकर शामिल हुए। समापन सत्र में डॉ. जाहिद अख्तर ने ऐसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणालियों के विकास की आवश्यकता पर बल दिया, जो केवल सटीक ही नहीं, बल्कि सुरक्षित, विश्वसनीय और उत्तरदायी भी हों। उन्होंने प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि नवाचार, सहयोग और नैतिक मूल्यों के आधार पर ही भविष्य की उन्नत तकनीकों का निर्माण संभव है। वहीं डॉ. अरिजीत कराती ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा तथा डीपफेक तकनीकों से जुड़ी उभरती चुनौतियों का समाधान करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को और अधिक सुदृढ़ बनाने कहा।

युवा एआई और नई तकनीकों को अपनाकर भविष्य के लिए खुद को करें तैयार

रायपुर। महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज के रिसर्च सेल के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन मैकन 1.0 का शुभारंभ हुआ। इस हाइब्रिड सम्मेलन का विषय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशनः अवसर, चुनौतियां और भविष्य के प्रभाव' रखा गया है, जिसमें देशभर के शिक्षाविद, शोधकर्ता और विद्यार्थी हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि, प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने किया। युवाओं को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण का मुख्य आधार शिक्षा, नवाचार और तकनीक है। उन्होंने युवाओं से आव्हान किया कि वे एआई और नई तकनीकों को अपनाकर भविष्य के लिए खुद को तैयार करें। उन्होंने घोषणा की कि जल्द ही नया रायपुर में एआई सेमीकंडक्टर और डेटा सेंटर से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट शुरू किए जाएंगे, जो छत्तीसगढ़ को उभरती प्रौद्योगिकियों का हब बनाएंगे।

आज का युग डेटा का

संस्था के चेयरमैन डॉ. रमेश अग्रवाल और पूर्व चेयरमैन राजेश अग्रवाल ने भी युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह कंप्यूटर ने रोजगार की नई संभावनाएं खोली थीं, वैसे ही एआई भी मानव क्षमता को कई गुना बढ़ाएगा। प्राचार्या डॉ. जैस्मिन जोशी ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अब भविष्य नहीं, बल्कि हमारी वर्तमान वास्तविकता बन चुकी है। सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में ट्रिपल आईटी रायपुर के निदेशक प्रो. ओ.पी. व्यास और आईआईएम रायपुर के सहायक प्राध्यापक डॉ. अमित कुमार विश्वकर्मा ने भी अपने विचार रखे। विशेषज्ञों ने कहा कि आज का युग डेटा का है। तकनीक जीवन को आसान बना सकती है, लेकिन मानवीय संवेदनाओं की जगह नहीं ले सकती। जो व्यक्ति समय के साथ खुद को एआई के अनुरूप नहीं ढालेगा, उसके लिए भविष्य में टिकना मुश्किल होगा।

28 जून से ऑल इंडिया इंटर इंस्टीट्यूशनल चैंपियनशिप

रायपुर। एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के तत्वावधान में 28 जून से 1 जुलाई 2026 तक मोवा स्थित आईस्पोर्ट्ज बैडमिंटन एरिन में प्रतिष्ठित योनेक्स-सनराइज ऑल इंडिया इंटर-इंस्टीट्यूशनल बैडमिंटन टीम एवं व्यक्तिगत चैंपियनशिप-2026 का आयोजन होने जा रहा है। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देश के कई शीर्ष और अंतरराष्ट्रीय स्तर के बैडमिंटन खिलाड़ी अपना दमखम दिखाते नजर आएंगे। प्रतियोगिता में टीम और व्यक्तिगत दोनों ही वर्गों में रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे। इस चैंपियनशिप में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। इनमें मुख्य रूप से मेजबान एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया , भारतीय खाद्य निगम , कर्मचारी राज्य बीमा निगम, भारतीय वायुसेना, भारतीय रिज़र्व बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम और इंडिया पोस्ट की टीमें शामिल हैं। इन दिग्गज टीमों के बीच खिताब को लेकर कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी। आयोजकों के अनुसार, इस राष्ट्रीय चैंपियनशिप का मुख्य आकर्षण अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के कई दिग्गज खिलाड़ी होंगे। रायपुर के बैडमिंटन कोर्ट पर रौनक चौहान, मालविका बंसोड़, प्रियांशु राजावत और किरण जॉर्ज जैसे नामी शटलर अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरेंगे। खेल प्रेमियों और उभरते हुए स्थानीय खिलाड़ियों को इन स्टार शटलरों को करीब से खेलते हुए देखने और उनसे बहुत कुछ सीखने का यह एक सुनहरा अवसर मिलेगा।

मंगलम महोत्सव में आराध्या ने प्रस्तुति से मोहा सबका मन

रायपुर। लखीराम अग्रवाल मेमोरियल ऑडिटोरियम बिलासपुर में आयोजित मंगलम महोत्सव-2026 के नृत्य एवं संगीत महोत्सव में रायपुर की कलावृच्छ संस्था की छात्रा आराध्या तिवारी ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए सहभागिता निभाई। इस प्रतिष्ठित सांस्कृतिक आयोजन में आए कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। आराध्या की प्रस्तुति को भी सराहना मिली। कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति में हर भाव, ताल और कलात्मक अंदाज में भारतीय शास्त्रीय कला की गहराई और सुंदरता झलक दिखाई।

अनानास दिवस आज : स्वाद और गुणकारी फायदे के चलते बढ़ी डिमांड

बारिश में शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने डाइट में शामिल हुआ अनानास, जिंक और मैंगनीज की कमी कर रहा दूर

कार्नर न्यूज

रायपुर। शहर के फल बाजार में सेहतमंद मौसमी फलों में अनानास की आवक हो गई है। अनानास के स्वाद और गुणकारी फायदे के चलते लोग इसकी खूब खरीदी करते दिख रहे हैं। शहर के चिल्हर फल स्टॉलों व सड़क किनारे अनानास फल सजे दिखाई दे रहे हैं। वहीं थोक और खुदरा फल बाजार जवाहर नगर और लालपुर, डूमरतराई में अनानास की बल्क में आवक हो रही है। थोक फल व्यापारियों ने बताया कि ज्यादातर अनानास की आवक ओडिशा, पश्चिम बंगाल और अन्य उत्पादक राज्यों से हो रही है। बाजार में अनानास की खुदरा कीमत 60 से 100 प्रति किलोग्राम या 40 से 80 प्रति पीस तक होती है, जो इसके आकार और गुणवत्ता पर निर्भर कर रही है। मौसमी फलों में अनानास का खूब डिमांड हो रहा है। घर से लेकर जूस सेंटर, हॉटल, रेस्टोरेंट्स में भी अनानास की डिमांड खूब हो रही है। अनानास से जूस के अलावा लोग स्लाइड्स और कई तरह के डिश भी बनाकर सेवन करते हैं।

अनानास में कई पोषक तत्व

शहर की जानी-मानी डायटिशियन डॉ. सारिका श्रीवास्तव बताती हैं कि अनानास में कई ऐसे पोषक तत्वों की मौजूदगी होती है, जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूती देने के साथ कई तरह की बीमारियों से हमें सुरक्षा प्रदान कर सकता है। इसमें विटामिन सी, जिंक और मैंगनीज की भी उच्च मात्रा पाई जाती है। कम कैलोरी वाले इस फल में डाइट्री फाइबर और ब्रोमेलैन भी भरपूर मात्रा में मौजूद होता है। ब्रोमेलैन एक प्रकार का एंजाइम है, जो शरीर को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विशेषज्ञ डॉक्टरों का कहना है कि अनानास का सेवन गठिया रोगियों के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। अनानास में मौजूद ब्रोमेलैन को एंटी इंफ्लामेंटरी माना जाता है, जो गठिया में सूजन और दर्द से राहत दे सकता है।

बाजार में 50 रुपए प्रति नग कीमत

थोक सब्जी एवं फल मंडी डूमरतराई के व्यापारियों ने बताया कि फल मंडी में अनानास की स्थानीय आवक रायगढ़ व मैनपाट से हो रही है। यहां के स्थानीय किसान बढ़ी मात्रा में अनानास की खेती करते हैं। चिल्हर बाजार में अनानास प्रति नग 50 रुपए तक बिक रहा है। वहीं थोक बाजार में भाव 30 से 35 से रुपए प्रति नग बिक रहा है।

सिटी लाइव

बड़ों की देखादेखी नशे की गिरफ्त में आ रहे बच्चे

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर नया रायपुर स्थित क्रिस्टल इंडिया लर्निंग स्कूल में पालकों के लिए विशेष नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संकल्प सांस्कृतिक समिति की डायरेक्टर मनीषा शर्मा के निर्देशन में संकल्प नशामुक्ति केंद्र शंकर नगर स्टेट लेवल को-ऑर्डिनेटिंग एजेंसी', 'आउटरीच ड्रॉप इन सेंटर' और 'कम्युनिटी बेस्ड पीयर-लेड इंटरवेंशन' के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। इसमें स्कूल में अध्ययनरत बच्चों के पालकों को नशे के गंभीर दुष्परिणामों, इससे बचाव और इसके उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने पालकों को जागरूक करते हुए बताया कि ज्यादातर बच्चे अपने पिता या घर के अन्य बड़े सदस्यों को नशा करते देखकर ही इस बुरी लत का शिकार होते हैं।

घर पर बच्चों को पर्याप्त समय दें

विशेषज्ञों ने पालकों को समझाइश दी कि वे घर पर बच्चों को पर्याप्त समय दें और उनकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें। यदि बच्चों के व्यवहार में कोई भी बदलाव दिखे या नशे का शक हो तो घबराने के बजाय तुरंत किसी नशामुक्ति केंद्र की पेशेवर मदद लें। इसके साथ ही पालकों को खुद भी नशे से दूर रहने की सख्त हिदायत दी गई। उन्हें आगाह किया गया कि भले ही जवानी में उन्हें नशे का कोई तात्कालिक नुकसान न दिख रहा हो, लेकिन वृद्धावस्था में इसके कारण कई गंभीर और जानलेवा बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है। इस इंटरैक्टिव कार्यक्रम में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और नशामुक्ति के बचाव व उपचार से जुड़े कई महत्वपूर्ण सवाल पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने संतोषजनक जवाब दिया।

इवेंट लाइव

लोकतंत्र सेनानियों के सम्मेलन में 28 को शामिल होंगे सीएम

रायपुर। देश के लोकतांत्रिक इतिहास का काला दिवस माने जाने वाले 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल की स्मृति को जीवित रखने और नई पीढ़ी को लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सजग करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 25 जून को संविधान हत्या दिवस मनाया गया। 26 जून को भी आपातकाल स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है। लोकतंत्र प्रहरी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने ने शुक्रवार को प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता के दौरान बताया कि पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में सुबह 11 बजे से एक भव्य सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसमें सीएम विष्णु देव साय प्रमुख रूप से शामिल होंगे। वहीं सम्मेलन के मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार मंचस्थ रहेंगे।

विजेताओं और प्राचार्यों का सीएम करेंगे सम्मान

इस कड़ी में आपातकाल योद्धा संदर्भ ग्रंथ स्मारिका का विमोचन किया जाएगा। लोकतंत्र सेनानी संघ और प्रहरी के संयुक्त तत्वावधान में विद्यालय और कॉलेज लेबल पर प्रदेश स्तर की आपातकाल कभी विस्मृत न हो एवं 25 जून संविधान हत्या दिवस की प्रासंगिकता' इन विषयों पर निबंध प्रतियोगिता की गई। सीएम द्वारा विजयी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को विद्यालय एवं कॉलेज स्तर पर 31000, 21000 व 11000 रुपए नकद पुरस्कार सहित स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया जाएगा। वार्ता के दौरान विशाल राजहंस, सुहास देशपाण्डे ने बताया कि इस कड़ी में विद्यालयों और कॉलेजों के प्राचार्यों का भी सम्मान किया जाएगा।

धर्म लाइव

सुधांशु महाराज का सत्संग आज, साक्षी बनेंगे धर्मप्रेमी

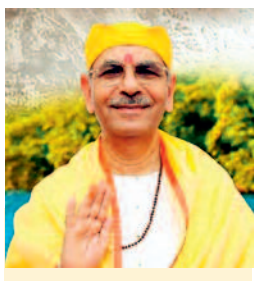

रायपुर। विश्व जागृति मिशन के संस्थापक सतगुरु सुधांशुजी महाराज आज से छत्तीसगढ़ प्रवास पर हैं। इससे श्रद्धालुओं में उत्साह की लहर है। राज्य सरकार द्वारा अतिथि परंपरा के तहत गुरुजी को राज्य अतिथि का दर्जा दिया गया है। इस संदर्भ में विश्व जागृति मिशन मंडल के दिलीप सचदेव, सुनील सचदेव एवं मीडिया प्रभारी अश्विनी विग ने बताया कि महाराजजी के सानिध्य में गुरु पूर्णिमा महोत्सव 27 और 28 जून को रायपुर एवं कुम्हारी में आध्यात्मिक आयोजन किया जाएगा। इससे भी पहले शुक्रवार को तैयारियों अंतिम रूप दिया गया। इस दो दिवसीय प्रवास के दौरान गुरुजी छत्तीसगढ़ की धरा पर श्रद्धालुओं, धर्मप्रेमियों, समाजसेवियों एवं प्रबुद्धजनों को ओजस्वी वाणी से संबोधित करेंगे। इस दौरान गुरुजी कुम्हारी स्थित श्री ब्रह्मलोक आश्रम में निर्माणाधीन श्री कैलाश मानसरोवर का अवलोकन करेंगे।

दो दिन सत्संग-पूजन शामिल होंगे श्रद्धालु

मीडिया प्रभारी श्री विग ने बताया कि 27 जून को शाम 5 बजे से 7 बजे तक साइंस कॉलेज स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में महाराजश्री विशेष सत्संग एवं प्रवचन देंगे। इसमें गुरुजी श्रद्धालुओं एवं प्रबुद्ध श्रोताओं को संबोधित करेंगे। यह कार्यक्रम पूर्णतः सर्वसुलभ एवं निशुल्क रखा गया है। इसमें प्रवेश के लिए किसी को पास की जरूरत नहीं होगी। श्रद्धालुओं से समय से पूर्व पहुंचकर स्थान ग्रहण करने का अनुरोध किया गया है। वहीं 28 जून को प्रातः 8.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक ब्रह्मलोक आश्रम परसदा कुम्हारी में गुरु दर्शन, चरण पादुका पूजन एवं आशीर्वचन का आयोजन किया जाएगा।

● राजधानी में मुहर्रम के दिन इमाम हुसैन की शहादत को किया याद, जुलूस की सेवा के लिए सजे स्टाल्स

मुहर्रम पर निकले ताजिए, पर नजर नहीं आए मन्नती शेर, करबला तालाब तक उमड़ा जनसैलाब

मुहर्रम के लिए सजाए गए ताजिए और सवारी के साथ हजारों की तादाद में जनसैलाब जुलूस में शामिल हुआ, लेकिन यह पहला अवसर था, जिसमें मन्नती शेर नजर नहीं आए। इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए मुस्लिम समाज के लोग ताजिया के साथ निकले। जुलूस में मन्नती शेर बनने वालों का हुजूम इस बार देखने को भी नहीं मिले।

यातायात व्यवस्था के अनुरूप निकाला जुलूस

मुस्लिम समुदाय द्वारा अन्जुम-ए-अलमदारे हुसैनी इरानी जमात द्वारा राजा तालाब पंडरी से दोपहर 2 बजे इमामबाड़ा से मुहर्रम का जुलूस निकाला गया। जो पंडरी बस स्टैंड, खालसा स्कूल, शास्त्री चौक से मरहीमाता चौक पहुंचा। मौदहापारा थाने के सामने से होकर वे एमजी रोड होते हुए जीई रोड से आमापारा चौक पहुंचे। वहां से करबला तालाब तक जुलूस को पुलिस द्वारा बनाई गई व्यवस्था के तहत आगे बढ़ने में सहयोग दिया गया। तय मार्ग में रैली पहुंचने के 100 मीटर पहले ही सुविधा के लिहाज से यातायात को डायवर्ट किया गया था।

रायपुर। डीजे और धुमाल की मनाही के चलते मन्नती शेर का रूप लेने लोग पहले की तरह पेंटर्स के पास तैयार होने के लिए भी नहीं पहुंचे। ताजिया सजाने के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने अलग-अलग क्षेत्र से दोपहर में करबला की याद में या हुसैन का नारा लगाते हुए जैसे-जैसे आगे बढ़ रहे थे, वैसे-वैसे विभिन्न क्षेत्र से ताजिया के साथ निकलने वाले लोगों का कारवां आगे बढ़ता जा रहा था। इसमें हर वर्ग के लोग

शामिल थे। पुलिस के साथ अलग-अलग क्षेत्र के आयोजक भी व्यवस्था बनाते हुए ताजिए को लेकर आगे बढ़े। जुलूस को देखने के लिए भी लोगों की भीड़ जुटी। साथ ही जुलूस में शामिल लोगों की सेवा के लिए जगह-जगह स्टाल्स भी सजाए गए थे। जहां राहगीरों ने भी सेवा का लाभ लिया।

इस बार नजर नहीं आए मन्नती शेर के करतब

टिकरापारा, राजातालाब, मोमिनपारा, बांसटाल, छोटापारा में नमाज अता करने के बाद लोग मातमी जुलूस के साथ आगे बढ़े। बच्चे व युवा भी जुलूस में शामिल हुए। इनको देखने के लिए राह चलते लोगों ने भी रुकने के बाद ताजिए की इबादत करते हुए कई जगह उनकी आवभगत का भी इंतजाम किया। वहीं ताजिया के साथ अलग-अलग मुद्रा में करतब दिखाते हुए उनके साथ चल रहे लोगों का जनसैलाब उमड़ा। इस बार मन्नती शेर तो नहीं नजर आए, लेकिन सगे-संबंधी साथ चल रहे थे।

मोहल्ले से ताजिया निकला, लोग हुए शामिल

ताजनगर इमामबाड़ा से निकलकर लोग विभिन्न चौक-चौराहों से होते हुए करबला तालाब पहुंचे। कालीबाड़ी चौक के पास शाम 5 बजे तक जुलूस आगे बढ़ता नजर आया। इसमें जिस मोहल्ले से ताजिया और सवारी निकली, उस क्षेत्र के लोग भी जुलूस का हिस्सा बनकर पीछे चल रहे थे। इमाम हुसैन की याद में निकाले गए मातमी जुलूस में सहयोग करने के लिए इस बार भी युवाओं की टीम अलर्ट थी। उनकी मुस्तैदी से आवाजाही में भी किसी प्रकार के व्यवधान जैसे हालात भी नहीं बने।

धर्मांतरण और घुसपैठ देश की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा

रायपुर। शहीद स्मारक भवन में महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और प्रखर अधिवक्ता स्व. कमलनारायण शर्मा की स्मृति में समाजसेवी संस्था जिंदगी ना मिलेगी दोबारा की ओर से व्याख्यान व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस वर्ष व्याख्यान का विषय सुरक्षित भारत- चुनौतियां एवं समाधान रखा गया था। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता और राष्ट्रवादी विचारक अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि धर्मांतरण तथा घुसपैठ देश की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भारत न बाइबिल से चलेगा और न कुरान से, बल्कि यह केवल संविधान से चलेगा। देश की सुरक्षा में सेंध लगने का एक बड़ा कारण भ्रष्टाचार भी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्र ने की। इस अवसर पर हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश दीपक तिवारी और स्व. शर्मा की सुपुत्री सविता पाठक विशेष रूप से मंचासीन रहीं।

शहीद स्मारक भवन में व्याख्यान और सम्मान समारोह

11 स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवारों का हुआ सम्मान

व्याख्यान के साथ ही कार्यक्रम में 11 स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवारों का सम्मान किया गया। इनमें स्व. मोतीलाल त्रिपाठी, स्व. नारायणदास राठौर, स्व. नारायण प्रसाद दुबे, स्व. वल्लभ दास गुप्ता, स्व. सरदार सुंदर सिंह, स्व. जगन्नाथराव नायडू, स्व. नागरदास बावरिया, स्व. पारस राम सोनी, स्व. छेदीलाल दुबे, स्व. कुंजलाल मिश्रा और स्व. जगदीश प्रसाद मिश्रा के उत्तराधिकारी शामिल रहे। इसके अलावा विधिक सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए विनोद प्रधान, बृजेशनाथ पांडेय व रूपाली शर्मा को और पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रशांत शर्मा व रामअवतार तिवारी को सम्मानित किया गया। समारोह में देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। आयोजन को सफल बनाने में संस्था प्रमुख सुषमा तिवारी, संरक्षक अजय शर्मा, सचिव ममता शर्मा सहित बड़ी संख्या में शहर के बुद्धिजीवियों, अधिवक्ताओं और युवाओं की सक्रिय उपस्थिति रही।

राष्ट्रीय काव्य उत्सव के लिए ऑनलाइन पंजीयन 31 जुलाई तक

रायपुर। राष्ट्रीय काव्य उत्सव 2026 का आयोजन शिक्षा मंत्रालय द्वारा 'राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय' के माध्यम से किया जा रहा है। यह कक्षा 9वीं से 12वीं तक के स्कूली छात्रों के लिए एक राष्ट्रीय कविता वाचन प्रतियोगिता है। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं में साहित्य के प्रति प्रेम, अभिव्यक्ति और रचनात्मकता को बढ़ावा देना है। यह प्रतियोगिता 1 जून से 31 जुलाई तक आयोजित है। प्रतियोगिता में शीर्ष 10 सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों को शिक्षा मंत्रालय द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय की वेबसाइट पर जाएं और वहां उपलब्ध शॉर्टलिस्ट की गई कविताओं में से अपनी पसंद की कोई एक कविता चुनें। उस कविता का पाठ करते हुए 60 से 90 सेकंड का एक वीडियो रिकॉर्ड करें। इस वीडियो को अपने या माता-पिता के सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करें। इस पोस्ट में राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय को टैग करें और हैशटैग #RashtriyaKavyaUtsav2026 का उपयोग करें। अंत में, अपने सोशल मीडिया वीडियो का लिंक कॉपी करें और पंजीकरण फॉर्म में सबमिट करें। प्रतियोगिता की संपूर्ण गाइड और ई-पुस्तकालय में शामिल कविताओं की सूची देखने के लिए, कविता सूची का संदर्भ ले सकते हैं।

स्कूली छात्रों के लिए एक राष्ट्रीय कविता वाचन प्रतियोगिता

● प्रोफेसर कॉलोनी स्थित श्रीधाम सुमेरु मठ में 21 जून से जारी महोत्सव का विधिवत समापन

साधकों ने मंत्रोच्चार के साथ किया हवन अघोर महोत्सव में शामिल हुए सांई लालदास

कार्नर न्यूज

रायपुर। श्रीधाम सुमेरु मठ औघड़नाथ दरबार में 21 जून से जारी अघोर महोत्सव की कड़ी में शुक्रवार तक पांच हजार से ज्यादा लोगों ने मनोकामना सिद्धि और व्याधियों की रोकथाम के लिए त्रिकुंड में आहुति देते हुए विधिवत नियम का पालन किया। जहां एक तरफ मठ में साधना का क्रम चल रहा था, वहीं दूसरी तरफ गोवंश, नंदी और श्वानों को भाजी, पैरा, कुट्टी सहित भोजन दिया गया। यह सिलसिला सोमवार से महोत्सव के समापन से पहले तक यानी शाम 5 बजे तक चला। इसमें साधना करने वाले ही नहीं, बल्कि गृहस्थ जीवन जीने वाले लोग भी परिवार के साथ महोत्सव का हिस्सा बनने के लिए दूरदराज से पहुंचे। इस भव्य श्रीयज्ञ अनुष्ठान में बुधवार को बिलासपुर चकरभाठा स्थित श्री सिंधु अमरधाम आश्रम के पीठाधीश सतगुरु सांई लालदास साहेब भी शामिल हुए।

सनातन संस्कृति के संरक्षण को लेकर चर्चा

उन्होंने यज्ञ अनुष्ठान में सहभागिता निभाते हुए दर्शन लाभ प्राप्त करने के साथ ही इस भव्य आयोजन को सराहा। इस दौरान श्रीधाम सुमेरु मठ औघड़नाथ दरबार के पीठाधीश रूद्रानंद प्रचंड वेग ने सतगुरु सांई लालदास साहेब का आत्मीय स्वागत किया। दोनों संतों ने एक-दूसरे को सम्मान स्वरूप शॉल एवं श्रीफल भेंट किए। कार्यक्रम के अवसर पर दोनों संतों के बीच धर्म, आध्यात्म, समाज कल्याण और सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन जैसे गंभीर विषयों को लेकर मंथन किया गया। उनके बीच विभिन्न समसामयिक विषयों पर सार्थक संवाद भी हुआ। श्रद्धालुओं और साधकों ने संतों से आशीर्वाद भी लिया।

श्रद्धालुओं के लिए किया भोग-भंडारा

अघोर महोत्सव की कड़ी में आयोजित श्रीयज्ञ अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। हवन कुंड में दी गई आहुति के लिए 25 तरह की सामग्री का इस्तेमाल किया गया। इससे आयोजन स्थल पर धार्मिक और आध्यात्मिक वातावरण बना। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन भोग-भंडारे का भी आयोजन किया गया। रूद्रानंद प्रचंड वेग ने बताया कि इस तरह का आयोजन श्री सुमेरु मठ में ही किया जाता है, जिसमें लोग अघोर महोत्सव का हिस्सा बनने का सौभाग्य प्राप्त करते हैं।

सिटी स्पोर्ट्स

कांस्य पदक जीत कर राजधानी लौटने पर युवराज समिधा और अमन का स्वागत

रायपुर। कुआलालंपुर, मलेशिया में 16 से 22 जून तक आयोजित प्रथम स्कूल वर्ल्ड चैंपियनशिप में भाग लेकर कोलकाता से रायपुर ट्रेन द्वारा पहुंचने पर कांस्य पदक विजेता बस्तर के युवराज सिंह, रायपुर की समिधा अग्रवाल और एथलीट कमीशन के चेयरमैन अमन यादव का राजधानी के रेल्वे स्टेशन में राज्य म्यूथाई संघ के महासचिव अनीस मेमन के नेतृत्व में शानदार स्वागत किया गया। उल्लेखनीय है कि इस अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में भारत को युवराज सिंह ने कांस्य पदक दिलाया इसके अलावा रायपुर की समिधा क्वार्टर फाइनल तक पहुंची. स्वागत अवसर पर राज्य म्यूथाई संघ के महासचिव अनीस मेमन, विशाल हियाल, शुभम निषाद, आकाश कासू, शरद अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

राजगोपालन लगातार तीसरे वर्ष इंग्लैंड में मालबोरो कप के लिए भारतीय टीम में चयनित

भिलाई। इस्पात नगरी भिलाई के पूर्व रणजी खिलाड़ी के राजगोपालन लंदन में 5 जुलाई से 8 जुलाई तक होने वाली मालबोरो कप प्रतियोगिता के लिए लगातार तीसरे वर्ष चयनित हुए है। यहां भारतीय टीम के अतिरिक्त इंग्लैंड, वेल्स और जिम्बाब्वे की टीमें हिस्सा लेंगी। इस प्रतियोगिता के पूर्व 28 जून से सभी टीमें 2-2 प्रेक्टिस मैच खेलेंगे। जिसमें गत वर्ष के मालबोरो कप प्रतियोगिता में राजगोपालन के शानदार प्रदर्शन एवं इस वर्ष खेले गये घरेलू प्रतियोगिताओं के आधार पर इस वर्ष भी चयन भारतीय टीम में किया गया। भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधा विभाग में कार्यरत राजगोपालन तत्कालीन एमपी से ओपनर बल्लेबाज एवं विकेट कीपर के रूप में रणजी खिलाड़ी रहे हैं। राजगोपालन छत्तीसगढ़ के रणजी टीम में बैटिंग कोच, अंडर 19 एवं 16 के मुख्य कोच के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

राष्ट्रीय किकबाक्सिंग में राज्य की टीम ने जीते 45 पदक

रायपुर। मध्य प्रदेश किकबाक्सिंग एसोसियेशन के तत्वाधान में इंदौर पब्लिक स्कूल में 17 से 21 जून तक सब जूनियर (बालक-बालिका) वर्ग की राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिता में देश के सभी राज्यों से 1600 खिलाड़ीयों एवं 250 ऑफिशियल ने हिस्सा लिया।

छत्तीसगढ़ किकबॉक्सिंग एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष तारकेश मिश्रा एवं महासचिव आकाश गुरुदीवान ने बताया कि स्पर्धा में राज्य के रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, मुंगेली, बलौदा बाजार, सहित विभिन्न जिलों के 92 सब जूनियर वर्ग के बालक बालिका खिलाड़ियों ने पाइंट फाइटिंग, लाइट कांटेक्ट, किक लाइट, म्यूजिकल फार्म्स एवं क्रिएटिव फार्म्स की प्रतियोगिताओं में विभिन्न वजन वर्गो में हिस्सा लिया। छत्तीसगढ़ के प्रतिभागियों ने 9 स्वर्ण, 11 रजत तथा 25 कांस्य सहित 45 पदक जीते। इस प्रकार राज्य की टीम ने 32 टीमों के बीच आल ओवर छठवां स्थान प्राप्त किया।

परिणाम में कोरबा जिला वैदिक पलेरिया, काव्या दिनेश एवं नाफिया सिद्दीकी ने स्वर्ण एवं श्रेया, लक्ष्मी साहू सहित काव्या ने डबल इवेंट में रजत तथा खुशाल साहू एवं समायरा नाहक ने 2 कांस्य पदक प्राप्त किया। बलौदाबाजार से रविंद्र वैष्णव रजत, शैली यादव ने कांस्य पदक, बेमेतरा वसुंधरा शुक्ला कांस्य पदक,बिलासपुर स्वर्ण पदक कृदय गांगुली, गोपाल प्रसाद, उनमुक्त साहू, सौम्य साहू, अर्पिता साहू रजत पदक, परमेश्वरी लोहार, रणवीर साहू, यमन साहू, उनशिका, शिवाक्ष, गोपाल,कांस्य पदक मिशिता साहू, मानसी साहू, सृष्टि कश्यप, देविका साहू, शिवाक्ष पटेल, परमेश्वरी लोहार, अर्पिता साहू रायपुर, स्वर्ण पदक विजेता अवयांश जोशी, श्लोक झा, कांस्य पदक विजेता अवयांश जोशी, कनिका साहू श्लोक झा, काश्वी गेंड्रे, कुंजल पटेल, दिव्यांशी पोयाम, वानिया साहू. प्रशिक्षक के रूप में अमन सोनी, अंकुश लाल यादव, लोकित्ता चौहान, बरुन बाग, हिमांशु एवं रेफरी प्रभात साहू, मयंक डडसेना, मनीष बाग उपस्थित रहे। सभी खिलाड़ियों एवं आफिशियल को किकबाक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष छगनलाल मूंदड़ा, कार्यकारी अध्यक्ष तारकेश मिश्रा, महासचिव आकाश गुरुदीवान आदि ने बधाई दी।

सुबह आंख खुलते ही दिखें ऐसे लक्षण, तो समझ जाएं थायराइड दस्तक दे चुका

थायराइड का असर हो तो दिख जाते हैं इसके लक्षण, जान लीजिए आप भी तो नहीं हैं चपेट में

थायराइड एक आम समस्या है, लेकिन ध्यान नहीं दिया जाए, तो दिक्कत हो जाती है। अगर आपको सुबह उठते ही कुछ लक्षण लिखाई दे तो आपको डॉक्टर के पास तुरंत जाना चाहिए। आज की भाग दौड़ भरी जिंदगी में थायराइड की समस्या एकदम आम हो गई है। किसी को भी थायराइड अपनी चपेट में ले सकता है। सबसे पहले जानते हैं कि थायराइड क्या है?

थायराइड एक तितली के आकार की ग्रंथि होती है, जो हमारे गले के सामने वाले हिस्से में मौजूद होती है। यह ग्रंथि टी 3 और टी 4 नामक हार्मोन बनती है, जो शरीर के कई कार्यो के लिए जरूरी है। यह मेटाबॉलिज्म, एनर्जी, वजन, मूड यहां तक की स्किन और बालों की सेहत के लिए जरूरी है।

थायराइड दो तरह का होता है। एक जिसमें हार्मोन कम बनने लगता है और दूसरा जिसमें हार्मोन जरूरत से ज्यादा बनने लगता है। अधिकतर लोगों को कम हार्मोन बनने वाली ही शिकायत होती है। कई बार थायराइड बढ़ जाता है और इसकी जानकारी हमें बाद में होती है ऐसे में आपको कुछ ऐसे लक्षण के बारे में जानना चाहिए जो सुबह उठने पर दिखाई देते हैं।

सुबह आंख खुलते ही दिखते हैं ये लक्षण

रात भर सोने के बाद जब आप सुबह उठती हैं और आपको थकान महसूस होती है, तो समझ जाइए की थायराइड आपके घेर रहा है। बता दें कि थायराइड ग्रंथि शरीर के मेटाबॉलिज्म बनाने की प्रक्रिया को नियंत्रित करती है और जब यह ग्रंथि ठीक से काम नहीं करती है तो शरीर में बदलाव आने लगते हैं। इसकी कमी से सुस्ती महसूस होती है।

जब शरीर में इस हार्मोन की कमी होने लगती है, तो शरीर में फ्लुएड रिटेंशन होने लगता है। जिस वजह से सुबह के वक्त आपका चेहरा सूजा हुआ लगता है और आंखें भरी लगती है। अगर आप खुद में यह बदलाव नोटिस कर रही हैं, तो आपको डॉक्टर से मिलना चाहिए

बता दे की थायराइड हार्मोन की कमी शरीर के हर सेल को प्रभावित करती है। चाहे वह मांसपेशियां, जोड़ हो या तंत्रिका तंत्र। थायराइड हार्मोन की कमी से मांसपेशियों में ऊर्जा की सप्लाई घट जाती है। इससे मांसपेशियों में अकड़न और दर्द महसूस होता है। कई बार उंगलियों के जोड़ों में अकड़न और दर्द भी होता है।

अगर सुबह उठते ही आपको लगता है कि दिल की धड़कन काफी ज्यादा तेज है तो यह थायराइड हार्मोन के बहुत ज्यादा स्तर का संकेत हो सकता है। इसे पैल्पिटेशन कहा जाता है। ऐसा हाइपरथायरायडिज्म में होता है।

पुरुषों में थायराइड के लक्षण हो सकते हैं बेवजह चिढ़ना और पैरों में दर्द जैसी समस्याएं

पुरुषों में थायराइड के प्रमुख लक्षणः पुरुषों में अगर मोटापा है तो उन्हें अपना थायराइड टेस्ट करवाना चाहिए। क्योंकि ये थायराइड के प्रमुख लक्षणों में से एक है जो कि मेटाबोलिज्म ठीक रखने वाले थायराइड हार्मोन्स की गड़बड़ियों के कारण हो सकता है।

बेवजह चिढ़ना और मूड स्विंग्स

हाइपोथायरायडिज्म जिसमें कि थायराइड हार्मोन का प्रोडक्शन कम होता है। इस स्थिति में पुरुषों में महिलाओं के जैसे मूड स्विंग्स होने लगते हैं। ऐसे में पुरुष कभी बेवजह चिढ़ने लगते हैं तो कभी तुरंत गुस्सा हो जाते हैं। दरअसल,ये सब टेस्टोस्टेरोन हार्मोन का लेवल कम होने की वजह से होता है और इसलिए ये पुरुषों में एंग्जायटी और डिप्रेशन जैसे समस्याओं का कारण भी बन सकता है।

पैरों में दर्द रहना

पैरों में दर्द को अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि ये कुछ गंभीर स्थितियों का लक्षण हो सकता है। दरअसल, जब थायराइड ग्रंथि शरीर में जरूरत से ज्यादा थायराइड हार्मोन का उत्पादन करने लगती है तो ये मांसपेशियां को कमजोर करती है और मसल्स के खिंचाव पैदा करती है। इससे पैरों में जलन और दर्द की समस्या होती है।

रसोई में इन चीजों को नहीं रखना चाहिए उल्टा

रसोई घर में रखे जाने वाली वस्तुओं की दिशा और दशा का ध्यान रखना भी बेहद जरूरी होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ चीजों को उल्टा रखना घर के वातावरण में असंतुलन उत्पन्न कर सकता है। आइए जानते हैं कि रसोई में किन बातों का ध्यान रखना जरूरी माना जाता है।

कढ़ाई को उल्टा न रखें- वास्तु शास्त्र में कढ़ाई को राहु ग्रह का प्रतीक माना गया है। मान्यता है कि रसोई में कढ़ाई को उल्टा करके रखने से घर में अशांति, तनाव और आर्थिक परेशानी बढ़ सकती है। इसलिए कढ़ाई

को हमेशा सीधा और सही दिशा में रखें।

धारदार वस्तुएं उलटी न रखें- किचन में इस्तेमाल होने वाले चाकू, कांटे या किसी भी तरह की धारदार वस्तुओं को उलटा रख देना भी वास्तु दोष उत्पन्न कर सकता है। इससे घर के सदस्यों के बीच झगड़े, तनाव और अनबन की संभावना

गैस स्टोव की दिशा का रखें ध्यान- वास्तु शास्त्र के अनुसार रसोई में खाना पकाने के लिए सबसे शुभ दिशा अग्निकोण यानी दक्षिण-पूर्व मानी गई है। इसलिए गैस चूल्हा या स्टोव इसी दिशा में होना चाहिए। यदि यह उत्तर या पश्चिम दिशा में रखा जाए, तो इससे परिवार के स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

टेनिस में खिलाड़ियों ने किया शानदार प्रदर्शन

रायपुर। टीपीएल टेनिस टूर्नामेंट के अंतर्गत पहले दिन खेले गए मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अगले दौर में अपनी जगह बनाई। 26-28 जून तक वी आई पी क्लब में आयोजित टूर्नामेंट में आज कई खिलाड़ियों ने प्रभावशाली जीत दर्ज की, वहीं कुछ मुकाबले रोमांचक रहे।

■ टीपीएल आर एस सी टेनिस एकेडमी का टूर्नामेंट वीआईपी क्लब में जारी

पुरुष वर्ग में रेयांश अडवानी ने हराव जैन को 6-2, अव्यय जिंदल ने मोर्यान मेघानी को 6-2, उमेश सोनाराम ने आर्यन जय को 6-1, कृषिव जैन ने हिमांक चौहान को 6-2, रेयांश निगम ने अक्षज मिश्रा को 6-1 एवं शारव अरोड़ा को 6-1, अनंत शर्मा ने अर्जन विचित्रा को 6-0, अबीर लूथरा ने ईशान साइमन को 6-4, हर्षिल नाथानी ने नमिश मेघानी को 6-2, आकर्ष पांडेय ने शाश्वत अग्रवाल को 6-0, सिद्ध पटेल ने आशीष सोनाराम को 6-3, कुश गर्ग ने हिरांश लालवानी को 6-1, युवांश भोजवानी ने टंकन राज को 6-2, अमोल ने चैतन्य को 6-3, विहार ने जसमान को 6-1 तथा अयान सरवत ने विवान हरिरामानी को 6-3 से पराजित किया। बालिका वर्ग में स्निजा नायर ने हरलीन को 6-2 तथा श्रेया साव को 6-1 से हराकर लगातार दो जीत दर्ज की। आकृति अरुण ने अनन्या अन्विता को 6-2, वान्या ने भद्रकर्णिका को 6-1 तथा टाईब्रेक तक पहुंचे रोमांचक मुकाबले में शिवाली को 6-5 (7-0) से हराया। वहीं अरांचा माथुर ने काश्वी को 6-2 तथा भाव्या ने अनन्या अन्विता को 6-1 से पराजित किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल भावना एवं अनुशासन का परिचय दिया। कल प्रतियोगिता के दूसरे दिन क्वार्टर फाइनल एवं सेमीफाइनल मुकाबले एवं डबल्स के मुकाबले खेले जायेगे प्रतियोगिता के निर्णायक लुकेश नेताम है यह जानकारी छग टेनिस संघ के उपाध्यक्ष एवं प्रतियोगिता संचालक रूपेंद्र सिंह चौहान ने दी।

राजधानी में मिनीगोल्फ नेशनल्स चैंपियनशिप शुरू

रायपुर। मिनीगोल्फ फेडरेशन ऑफ इंडिया के निर्देशन में मिनीगोल्फ एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ की ओर से 11वीं मिनीगोल्फ नेशनल्स चैंपियनशिप का शुभारंभ शुक्रवार की शाम मुख्य अतिथि प्रदेश के कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने किया। श्री दावड़ा यूनिवर्सिटी, नया रायपुर में 30 जून तक आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता का शुभारंभ करते खुशवंत साहेब ने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में पहली बार मिनीगोल्फ की राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन प्रदेश के लिए गौरव का विषय है तथा इससे राज्य में इस खेल को नई पहचान मिलेगी।

■ 14 राज्यों के लगभग 300 खिलाड़ी भाग ले रहे

कार्यक्रम की अध्यक्षता दावड़ा यूनिवर्सिटी के सी ई ओ चिन्मय दावड़ा ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि इस प्रकार के राष्ट्रीय आयोजन खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करते हैं तथा खेल संस्कृति को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशिष्ट अतिथि मिनीगोल्फ फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सुधाकर कोहले ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। विशिष्ट अतिथि प्रवीण मानवटकर,सूरज योतिकर,राजेश सेन्डेकर ,सुरेंद्र चौहान, श्रीराम धर्माधिकारी ने भी अपनी गरिमामय उपस्थिति दी।

आयोजन महासचिव सीमा यादव एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी व आयोजन समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हेमंत खुटे ने बताया कि प्रतियोगिता में उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, केरल, दिल्ली, पांडिचेरी, पश्चिम बंगाल, असम, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान तथा मेजबान छत्तीसगढ़ सहित कुल 14 राज्यों के लगभग 300 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के चयनित खिलाड़ी मेघालय में आयोजित होने वाले नेशनल गेम्स तथा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करने के पात्र होंगे। प्रतियोगिता में महिला एवं पुरुष वर्ग की टीम स्पर्धा, सिंगल, डबल तथा मिक्स डबल स्पर्धाएं आयोजित की जा रही हैं।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

सुपरहीरो ही-मैन ने फिर एक बार बड़े पर्दे पर दी दस्तक

हॉलीवुड फिल्मों का चर्चित सुपरहीरो ही-मैन एक बार फिर बड़े पर्दे पर दस्तक दे चुका है। 'ही-मैन एंड द मास्टर्स ऑफ द यूनिवर्स' फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। 'आई हैव द पावर'।।। यह डायलॉग सुनते ही 80 और 90 के दशक में बड़े हुए लाखों फैंस के चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। ही-मैन सिर्फ एक कार्टून किरदार नहीं था, बल्कि उस दौर का सुपरस्टार था।1987 में जब ही-मैन पहली बार बड़े पर्दे पर पहुंचा था, तब उम्मीदें भी बड़ी थीं। लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर टिक नहीं पाई। इसके बावजूद डॉल्फ लुंडग्रेन का ही-मैन आज भी फैंस के बीच याद किया जाता है।

करीब चार दशक बाद 'ही-मैन एंड द मास्टर्स ऑफ द यूनिवर्स' के साथ ही-मैन बड़े पर्दे पर लौट आया है। निर्देशक ट्रैविस नाइट के सामने चुनौती सिर्फ एक फिल्म बनाने की नहीं थी, बल्कि यह साबित करने की भी थी कि ही-मैन का जादू आज भी बरकरार है, ऐसे समय में जब दर्शकों के पास 'ड्यून', 'अवतार' और 'हाउस ऑफ द ड्रैगन' जैसी भव्य फैंटेसी दुनिया मौजूद हैं। नई फिल्म ही-मैन की कहानी को थोड़ा अलग तरीके से दिखाती है। इसमें प्रिंस एडम (निकोलस गैलिट्ज़ीन) शुरुआत से ईटर्निया में नहीं रहता, बल्कि बचपन में अपनी दुनिया से बिछड़कर पृथ्वी पर आ जाता है और वहीं बड़ा होता है। कई साल बाद जब उसके हाथ फिर से स्वॉर्ड ऑफ पावर लगती है तो उसे पता चलता है कि वह कोई साधारण युवक नहीं, बल्कि ईटर्निया का उत्तराधिकारी है। उधर स्केलेटर (जैरेड लेटो) ने ईटर्निया पर कब्जा कर लिया है।

बॉलीवुड

निर्देशक आकाशादित्य की 'दुल्हनिया ले आएगी' का फर्स्ट लुक जारी

निर्देशक आकाशादित्य लामा की बहुप्रतीक्षित पारिवारिक ड्रामा और कॉमेडी फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' अगले महीने 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। लेकिन इसके पहले आधिकारिक तौर पर इस फिल्म का फर्स्ट लुक जारी कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ के भिलाई और मध्यप्रदेश के ग्वालियर से गहरा नाता रखने वाले आकाश अपनी इस मूवी को लेकर बेहद उत्साहित है। आकाश की यह फिल्म पूरी तरह बॉलीवुड पारिवारिक मनोरंजक (फैमिली एंटरटेनर) है। इस फिल्म का फर्स्ट लुक पसंद किया जा रहा है। मुख्य कलाकार खुशाली कुमार इस फिल्म में एक अनोखी और बेबाक दुल्हन के मुख्य किरदार में हैं। वहीं निर्देशक और अभिनेता महेश मांजरेकर भी एक अहम भूमिका में नजर आएंगे। पीयूष मिश्रा को भी खास किरदार दिया गया है। स्नेहिल दीक्षित मेहरा अन्य महत्वपूर्ण भूमिका में दिखेंगी। यह फिल्म एक ₹बिग फैट इंडियन वेडिंग₹ (बड़ी भारतीय शादी) की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें कुछ गड़बड़ हो जाती है। कहानी एक ऐसी दुल्हन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो रूढ़िवादिता को तोड़ती है लेकिन अपने पारिवारिक मूल्यों से जुड़ी हुई है। फिल्म में इस दुल्हन के सामने एक समय-सीमा है, जो कहानी में कई मजेदार और अप्रत्याशित मोड़ लाती है। मशहूर फिल्म निर्माता प्रियदर्शन ने सोशल मीडिया पर इस फिल्म की सराहना की है। निर्देशक आकाशादित्य लामा ने पूर्व में प्रियदर्शन के साथ काम किया है, इसलिए उन्होंने पूरी टीम को इस अनोखे पारिवारिक प्रोजेक्ट के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। आकाश ने इसके लिए प्रियदर्शन का आभार जताया है।

भोजपुरी

आकांक्षा के साथ रोमांटिक हुआ थाई एक्टर, कुछ ही घंटों में लाखों व्यूज

भोजपुरी इंडस्ट्री में आकांक्षा पुरी का नया गाना 'मिजाजी सईंया' रिलीज होते ही चर्चा में आ गया है। खास बात ये है कि इस गाने में थाई एक्टर निपत चारोएनफोल उर्फ पैट्रिक भी नजर आ रहे हैं। रिलीज के कुछ ही घंटों में गाने को लाखों व्यूज मिल चुके हैं और फैंस इस इंटरनेशनल जोड़ी की जमकर तारीफ कर रहे हैं। आकांक्षा पुरी ने भोजपुरी इंडस्ट्री में खुद की कमाल की पहचान बना ली है, अक्सर वो भोजपुरी गानों के वीडियोज में नजर आती हैं। हाल ही में उनका नया गाना रिलीज हुआ है, जिसको चंद घंटो में लाखों व्यूज हासिल हो चुके हैं। कमाल की बात है कि इस गाने में थाई एक्टर की एंट्री हुई है, जिनका नाम पैट्रिक है, लोग उन्हें निपत चारोएनफोल के नाम से भी जानते हैं। गाने का टाइटल 'मिजाजी सईंया' है, जिसे शिल्पी राज ने गाया है। 8 जून को आकांक्षा पुरी के नए गाने ने रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर धूम मचाई है। गाने का टाइटल 'मिजाजी सईंया' है, जो कि गजब की धूम मचा रहा है। इस गाने को टी सीरीज हमार भोजपुरी चैनल पर रिलीज किया है। इस खबर के बनने तक इस गाने को 12 घंटे हुए हैं और तब तक गाने को 6 लाख से ज्यादा लोगों ने देखा है, साथ ही साथ कमेंट सेक्शन में लोगों ने इस गाने की खूब तारीफ की है। गाने में थाई एक्टर का होना भी काफी कमाल का है, जिसके साथ आकांक्षा की जोड़ी बनी है। थाइलैंड के जाने माने एक्टर पैट्रिक उर्फ निपत चारोएनफोल लोगों के बीच अपनी एक वीडियो के चलते आए थे। दरअसल, उन्होंने एक शॉपिंग मार्ट में भोजपुरी गाने पर डांस किया था।

ग्लोबल फ़ैशन में ब्लैक एंड वाइट ड्रेस हमेशा पसंद की जाने वाली क्लासिक स्टाइल रही हैं। ये सादगी और शानदार नफ़ासत के बीच बेहतरीन तालमेल बिठाती हैं। रंगों का यह मशहूर कॉम्बिनेशन हर मौसम और संस्कृति में फिट बैठता है और इसमें क्लासिक रेट्रो प्रिंट से लेकर नए ज़माने के रैंप डिज़ाइन तक, कई तरह के स्टाइल देखने को मिलते हैं।

फिर लौट रहा 'वाय2 के' वाला ट्रेंड्स, लुभा रहा 2000 का ग्लैमर

फिर लौट रहा 'वाय2 के' वाला ट्रेंड्स, लुभा रहा 2000 का ग्लैमर फैशन कभी आउट ऑफ ट्रेंड नहीं होता। साल 2000 के दशक का फैशन ट्रेंड अब 'वाय2के' बनकर लौटा है। मिलेनियल्स और जेन-जी को यह फैशन स्टाइल खूब भा रहा है। दादी का दौर हो या मम्मी का, हर दशक के फैशन की एक खास बात रही है। शायद यही वजह है कि फैशन ट्रेंड्स समय के साथ बदलते जरूर हैं, लेकिन अक्सर वापस लौटते हैं। आज के समय में नई पीढ़ी उस दौर के कपड़े और एक्सेसरीज को नया ट्विस्ट दे रही है, जिससे वे पुराने होते हुए भी ट्रेंडी लगते हैं। ऐसा ही एक फैशन ट्रेंड लौटकर आया है, जिसके दीवाने सेलिब्रिटी से लेकर आम महिलाएं भी हो रही हैं। यह फैशन ट्रेंड है- 'वाय2के'।

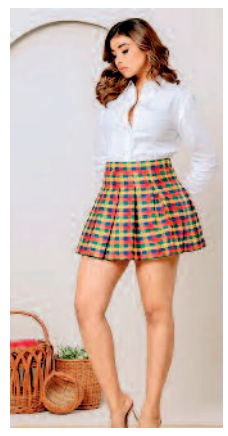

क्या है यह ट्रेंड

वाय 2 के यानी 'ईयर 2000' का फैशन ट्रेंड उस दशक की शुरुआत का ग्लैमरस और बोल्ड स्टाइल था। पॉप कल्चर से प्रेरित यह ट्रेंड फैशन में नॉस्टैल्जिया यानी पुरानी यादों को जोड़ते हुए आपको नए अंदाज से जीने का मौका देता है। नई पीढ़ी के लिए यह इस गर्मी का आकर्षक ट्रेंड बन गया है। जेन-जी और मिलेनियल्स 'वाय2के' फैशन को मॉडर्न ट्रेंड्स और पर्सनल स्टाइल के साथ कॉपी कर रहे हैं, जो पुराने दौर को नए जमाने से जोड़ रहा है।

मैटेलिक फैब्रिक

सिल्वर और गोल्ड शेड्स जैसे ग्लॉसी लुक देने वाले मटेरियल्स 'वाय2के' फैशन की पहचान थे। ये शेड्स पार्टी वियर, बैग, फुटवियर और मेकअप में खूब दिखे। उनका चमकदार, फ्यूचरिस्टिक (अत्याधुनिक) लुक उस दौर की टेक्नोलॉजी और पॉप कल्चर से प्रेरित था। ऐसे में 'वाय2के' ट्रेंड के जरिए मैटेलिक जैकेट्स और शाइनी एक्सेसरीज फिर से युवतियों को आकर्षित कर रही हैं।

पहली बार हेयर कलर कराने जा रहें हैं तो ध्यान रखें इन बातों का

आज के समय में हेयर कलर न सिर्फ सफेद बालों को छिपाने का सही तरीका है, बल्कि अब ये एक स्टाइल स्टेटमेंट भी बन गया है। इसकी वजह से लुक काफी बदल जाता है। इसीलिए अब तो युवाओं के बीच बालों को रंगने का काफी क्रेज है। अगर आप भी अपने बालों को कलर कराना चाहते हैं, तो एक बार पहले अच्छे से सोच लीजिए। यहां आपके लिए कुछ ऐसे टिप्स हैं, जिनका ध्यान आपको तब रखना है, अगर आप पहली बार हेयर कलर करने जा रहे हैं। ऐसा करने से आपको किसी तरह की एलर्जी का खतरा नहीं रहेगा।

अपनी पर्सनालिटी का खास ध्यान रखें।

सही शेड चुनें

अगर पहली बार कलर कराने जा रहे हैं तो कलर चुनने से पहले सोच-समझकर फैसला लें। एक बार गलत कराने से आपका पैसा, समय बर्बाद हो सकता है। इसलिए पहली बार में बहुत ब्राइट या एक्सपेरिमेंटल कलर पहली बार में अवॉइड करें। कलर पसंद करते समय

पैच टेस्ट है सबसे जरूरी

पहली बार बालों में कलर कराना है तो पैच टेस्ट पहले अवश्य करा लें। क्योंकि अगर कलर कराने के बाद ये आपको सूट नहीं किया तो भयंकर एलर्जी का सामना आपको करना पड़ सकता है। कलर लगाने से 24 घंटे पहले पैच टेस्ट करें ताकि किसी एलर्जी या रिएक्शन का खतरा न हो। ऐसा करने से आप एलर्जी से बच जाएंगे।

प्रोफेशनल से करवाना बेहतर

पहली बार हेयर कलर कभी भी घर पर न करें। इसके लिए किसी अच्छे हेयर एक्सपर्ट की सलाह लें। इससे आपको अच्छा एक्सपीरिएंस मिलेगा। एक अच्छा हेयर एक्सपर्ट आपके स्किन और बालों को देखकर ही राय देता है।

कलर से पहले हेयर केयर करें

पहली बार हेयर कलर कराने से एक हफ्ते पहले से ही अपने बालों का खास ध्यान रखें। इसके लिए हेयर कलर से कुछ दिन पहले बालों को अच्छे से मॉइस्चराइज़ और ऑयल करें। यदि आप डैमेज बालों में कलर लगवाएंगे तो इसका असर लंबे समय तक टिकने वाला नहीं होगा।

15 मिनट में चेहरे पर आ जाएगा निखार, लोग पूछेंगे इसका राज

कई बार बिना किसी प्लानिंग के अचानक से पार्टी में जाने का प्लान बन जाता है। ऐसे में आपको ऐसे फेसपैक के बारे में जानना चाहिए, जिन्हें न सिर्फ बनाना बल्कि इस्तेमाल करना भी काफी आसान है।

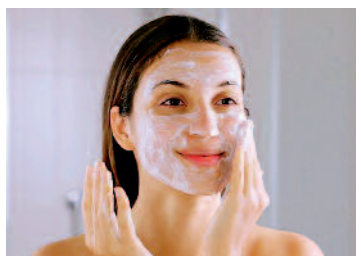

पहला फेस पैक

इस पहले फेस पैक को बनाने के लिए आपको दही, हल्दी और थोड़े से बेसन की जरूरत पड़ेगी। इसे बनाने का तरीका काफी आसान है। इसे तैयार करने के लिए सबसे पहले सभी चीजों को मिलाकर चेहरे पर लगाएं। अच्छी तरह से पैक को लगाने के 10-15 मिनट तक ऐसे ही छोड़ दें। अब 15 मिनट के बाद चेहरे को हल्का गीला करें और फिर हल्के हाथ से मसाज करते हुए साफ कर लें। इस फेस पैक के इस्तेमाल से आपका चेहरा पूरी तरह से खिल उठेगा। पैक को हटाने के बाद मॉइश्चराइज़र लगाएं और टोनर का इस्तेमाल अवश्य करें। इसके बाद आपकी स्किन मेकअप के लिए तैयार है।

दूसरा फेस पैक

इस दूसरे पैक को तैयार करने के लिए आपको केवल दो चीजों की जरूरत पड़ेगी। इन चीजों में एलोवेरा और शहद शामिल है। फेस पैक बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में एलोवेरा मिक्स करें। इसके बाद इसमें शहद डालकर दोनों चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करें। दोनों चीजों को अच्छे से मिक्स होने के बाद आपका ये फेस पैक तैयार है। अब इसे ब्रश की मदद से अपने चेहरे पर अप्लाई करें और कम से कम 15 मिनट ऐसे ही लगा रहने दें। 15 मिनट के बाद अपने चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। इससे आपका चेहरा न सिर्फ टाइट हो जाएगा, बल्कि ग्लो भी करेगा।

जानें हेयर रिमूवर क्रीम के पीछे छिपा कड़वा सच

जल्दबाजी में ज्यादातर लोग ऐसे हेयर रिमूवल क्रीमों का इस्तेमाल करते हैं, जो बाजार में बेहद कम दाम में मिल जाती है।

हो सकता है स्किन बर्न

ज्यादातर हेयर रिमूवल क्रीमों में रसायन तत्व होते हैं, जोकि स्किन बर्न का कारण बन सकते हैं। खासतौर पर कैल्शियम थायोग्लाइकोलेट और पोटैशियम हाइड्रॉक्साइड जैसे तत्वों से तो स्किन की ऊपरी परत जल जाती है, जिससे त्वचा पर छाले हो सकते हैं।

पिगमेंटेशन का रहता है खतरा

यदि आप अपनी स्किन टाइप के हिसाब से हेयर रिमूवल क्रीम का इस्तेमाल नहीं करते हैं तो आपकी त्वचो पर पिगमेंटेशन का खतरा बढ़ जाता है। पिगमेंटेशन में त्वचा पर डार्क पैच आ जाते हैं, जोकि देखने में अजीब लगते हैं। ये दिक्कत ज्यादातर अंडरआर्म्स में सामने आती है।

त्वचा होगी ड्राई

अगर आप बार-बार हेयर रिमूवल क्रीम का इस्तेमाल करते हैं तो आपको संभलने की जरूरत है। क्योंकि ज्यादा हेयर रिमूवल क्रीम के इस्तेमाल से त्वचा का रूखापन काफी बढ़ जाता है, जिस कारण आपको परेशानी हो

सकती है।

हो सकती है एलर्जी

जिन लोगों की त्वचा काफी संवेदनशील है, उनको तो इस हेयर रिमूवल क्रीमों के इस्तेमाल से दूर ही रहना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है, तो एलर्जी की प्रतिक्रिया हो सकती है। इसके बाद आप खुजली, सूजन, रैश और लाल दाने जैसी समस्याओं के शिकार हो सकते हैं। अगर आप चाहते हैं कि बिना किसी परेशानी के आप हेयर रिमूवल क्रीम का इस्तेमाल कर लें तो सबसे पहले इसका पैच टेस्ट करके पता लगाएं कि ये आपको सूट करेगी या नहीं। इसके लिए इसके इस्तेमाल से 24 घंटे पहले हाथ या पैर पर क्रीम लगाकर परीक्षण करें।

कार्नर न्यूज

शादी का दिन ज्वेलरी के मामले में बनाएं खास

दुल्हन के लिए खरीदनी है आर्टिफिशियल ब्राइडल ज्वेलरी तो पहले कुछ टिप्स को जरूर जानें

वैसे तो शादी का दिन लड़कियों के साथ-साथ लड़कों के लिए भी बेहद खास होता है, लेकिन अपने लुक को खास बनाने के लिए सबसे ज्यादा मेहनत लड़कियां करती हैं। हर होने वाली दुल्हन अपने ब्राइडल लुक को महीनों पहले से प्लान करने लगती है। वो चाहती हैं कि उनका लहंगा, मेकअप और ज्वेलरी सब एकदम परफेक्ट हो।

लहंगा और मेकअप तो लड़कियां काफी सोच-समय कर खरीदती हैं, लेकिन सही ज्वेलरी का चयन करना उनके लिए काफी मुश्किल हो जाता है। इसी के चलते हम आपको बताएंगे कि ब्राइडल गहने खरीदते समय कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखना चाहिए। यदि आप इन बातों का ध्यान रखेंगी तो आपका वेडिंग लुक सबसे कमाल का और खूबसूरत लगेगा।

आउटफिट के साथ मैच करें

ब्राइडल लुक को कंप्लीट करने के लिए यदि आप आर्टिफिशयल गहने खरीदने का प्लान कर रही हैं तो सबसे पहले लहंगा, साड़ी या ब्राइडल ड्रेस फाइनल करें। इसके बाद ही ज्वेलरी खरीदें। ये आउटफिट के हिसाब से ही होनी चाहिए। अगर मैच करानी है तो मैच कराइए, वरना आप कॉन्ट्रास्ट में भी इसे कैरी कर सकती है।

ब्लाउज की नेकलाइन के अनुसार देखें

गले का नेकपीस खरीद रही हैं तो पहले अपने ब्लाउज की नेकलाइन देखें। ऐसा इसलिए क्योंकि ब्राइडल ब्लाउज काफी हैवी होता है। ऐसे में यदि उसके साथ सही ज्वेलरी का चयन आप नहीं करेंगी तो इससे आपका लुक ही पूरी तरह से खराब हो जाएगा। नेकलाइन और ज्वेलरी के बीच में गैप होना बेहद जरूरी है।

क्वालिटी अवश्य चेक करें

आपके ब्राइडल लुक में हर एक चीज परफेक्ट होनी चाहिए। ऐसे में पैसे

बचाने के लिए खराब क्वालिटी की ज्वेलरी कतई न खरीदें। कई बार खराब क्वालिटी के गहनों से स्टोन अपने आप ही निकलने लगते हैं, जिससे आपका लुक खराब हो सकता है। स्टोन के साथ-साथ मटेरियल की फिनिशिंग, पॉलिश और वर्क को ध्यान से देखें।